दैनिक
कीर्तिप्रभा
खबरों के सच का निर्भीक आइना

रीवा भोपाल से एक साथ
वर्ष: 28, अंक: 349 पृष्ठ 12, रीवा

गुरुवार 10 सितम्बर 2026
मूल्य: 3.00 रुपए

पौड़ी में लैंडस्लाइड से दुकानें कराई खाली, मध्यप्रदेश में मानसून पर लगा ब्रेक

-यूपी में 23 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी, 3 जिलों में स्कूल बंद

नई दिल्ली,। उत्तराखंड के पौड़ी में लैंडस्लाइड के कारण पाबौ बाजार की छह दुकानें खाली करानी पड़ीं। यहां 25 से ज्यादा दुकानों पर खतरा मंडरा रहा है। लैंडस्लाइड के कारण घरों और दुकानों में भी दरारें आ गई हैं। वहीं, पहाड़ी जिलों में भारी बारिश की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं मध्य प्रदेश में मानसून ने एक बार फिर तीन दिन का ब्रेक लिया है। मौसम विभाग भोपाल ने 11 सितंबर तक प्रदेश में कहीं भी भारी बारिश का अनुमान नहीं जताया है। इसी दिन पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में एक लो प्रेशर एरिया सक्रिय होगा। इसका असर 12 सितंबर से दिखना शुरू हो सकता है। यूपी में बुधवार को वाराणसी और प्रयागराज समेत 23 जिलों में बारिश का अलर्ट है। बारिश के चलते लखीमपुर और बरेली में कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है।

वाराणसी में प्री-प्राइमरी से कक्षा 5 तक के सभी स्कूल बंद रहेंगे, जबकि कक्षा 6 से 12 तक के स्कूल सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेंगे। बिहार में गंगा समेत 8 नदियां अभी भी उफान पर हैं। राज्य के 14 जिलों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। इससे करीब 35.89 लाख लोग प्रभावित हैं। पश्चिम बंगाल के मालदा में गंगा का जलस्तर बढ़ने से महानंदा टोला और आसपास के इलाकों में बाढ़ और तेज कटाव की स्थिति बनी हुई है। इससे करीब 15 से 20 हजार लोग प्रभावित हुए हैं बिहार में गंगा समेत 8 नदियां अभी भी उफान पर हैं। राज्य के 14 जिलों के 62 प्रखंडों की 491 पंचायतों में बाढ़ की गंभीर स्थिति बनी हुई है।

सरकार की नाकामी पर सवाल पूछने वालों को धमकाना और प्रताड़ित करना गलत

-गुलजार सिंह की मौत पर राहुल गांधी का पंजाब सरकार पर हमला, हरपाल चीमा के इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली,(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर ग्रामीण गुलजार सिंह की कथित आत्महत्या को लेकर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से वित्त मंत्री हरपाल चीमा का तत्काल इस्तीफा लेने और मामले की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच च्एक्सज् पर कहा कि पंजाब की आप सरकार के तहत एक खतरनाक प्रवृत्ति उभर रही है, जिसमें सरकार की नाकामी पर सवाल उठाने वालों को जवाब के तौर पर धमकी और प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि सरकार का काम जनता के सवालों का जवाब देना है, सवाल पूछने वालों को दबाना नहीं। राहुल गांधी ने दावा किया कि गुलजार सिंह अपने बेटे को नशे की गिरफ्त में जाते देख रहे थे और उन्होंने इसी मुद्दे पर वित्त मंत्री से सवाल किया था।

कांग्रेस नेता के मुताबिक, कथित प्रताड़ना और अपमान के बाद गुलजार ने जहर खा लिया। उन्होंने यह भी कहा कि इलाज के लिए उन्हें एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाया गया, लेकिन आखिरकार उनकी मौत हो गई। राहुल गांधी ने मुख्यमंत्री भगवंत मान से वित्त मंत्री हरपाल चीमा का इस्तीफा लेने की मांग करते हुए कहा कि मामले की ऐसी स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, जिसमें संबंधित लोगों की भूमिका की भी जांच की जाए।

परिवार ने लगाया दबाव का आरोप

दरअसल संगरूर जिले के दिरबा निवासी 47 वर्षीय दलित गुलजार सिंह की सोमवार रात कथित तौर पर जहरीला पदार्थ खाने से मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि छह सितंबर को दिरबा में आयोजित एक कार्यक्रम में गुलजार सिंह ने वित्त मंत्री हरपाल चीमा से इलाके में लगातार हो रही नशीले पदार्थों की आपूर्ति को लेकर सवाल किया था। इसके बाद कथित तौर पर उन पर माफी मांगने का दबाव बनाया गया और उन्हें प्रताड़ित किया गया।

गांव की लड़कियों से की शादी तो होगा बायकॉट

जगराओं । पंजाब के रायकोट रोड स्थित रूमी गांव में प्रेम संबंधों को लेकर पंचायत और ग्रामीणों ने सख्त फैसला लिया है। गुरुद्वारा सिंह सभा मे हुई बैठक में तय किया गया कि गांव का कोई युवक यदि गांव की ही लड़की को भगाकर ले जाता है या उससे शादी करता है, तो उसका सामाजिक बहिष्कार किया जाएगा। युवक के परिवार के खिलाफ भी बहिष्कार की कार्रवाई की बात कही गई है।

तस्करी कर लाए गए औरंगुटान के 5 बच्चे

बालासोर ओड़िशा के बालासोर जिले के बिचित्रपुर जंगल में मंगलवार सुबह औरंगुटान के पांच बच्चे मिलने से हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, ये जानवर भारत में नही पाए जाते हैं। औरंगुटान मुख्य रूप से इंडोनेशिया, मलेशिया, बोर्नियो और सुमात्रा के जंगलों में पाए जाते हैं। आशंका जताई जा रही है कि इन्हें तस्करी के जरिए भारत लाया गया होगा।

राम मंदिर ट्रस्ट से हटाए गए खास् कर्मचारियों की वापसी शुरु

अयोध्या, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के नए महासचिव स्वामी गोविंददेव गिरि के कार्यभार संभालने के बाद मंदिर की व्यवस्थाओं में बदलाव किए गए हैं। अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन के कार्यकाल में हटाए गए या दूसरी जगह भेजे गए कई च्खासज् कर्मचारियों की पुराने पदों और दायित्वों पर वापसी शुरू हो गई है। इनमें पूर्व ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और ट्रस्ट से जुड़े अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों के करीबी माने जाने वाले कर्मचारी भी शामिल हैं।

जम्मू-कश्मीर में मेडिकल इंटर्न की भूख हड़ताल, एक हफ्ते से जारी है प्रदर्शन

जम्मू,जम्मू-कश्मीर के सरकारी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों के मेडिकल इंटर्न का स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर चल रहा आंदोलन तेज हो गया है। करीब एक हफ्ते से प्रदर्शन कर रहे इंटर्न ने अब 48 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी है। उनका कहना है कि सरकार के साथ कई दौर की बातचीत के बावजूद स्टाइपेंड बढ़ाने को लेकर अब तक कोई औपचारिक लिखित आदेश जारी नहीं हुआ है।

ट्रिब्यूनल के 248 सदस्यों को बड़ी राहत, बढ़ाया गया कार्यकाल

नई दिल्ली,केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि अलग-अलग ट्रिब्यूनल के 248 सदस्य ट्रिब्यूनल रिफॉर्म एक्ट, 2026 के तहत कार्यकाल बढ़ाने के लिए पात्र पाए गए है।

कर्नाटक में मंत्री के 5 ठिकानों पर सुबह-सुबह ईडी ने मारे छापे

-सांसद बेटी और साले भी आ गए लपेटे में

बेंगलुरुकर्नाटक में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार तड़के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली और उनके करीबियों के कई ठिकानों पर एक साथ ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, ईडी ने जारकीहोली के साथ-साथ उनकी बेटी प्रियंका जारकीहोली और उनके साले मंजूनाथ के ठिकानों पर भी कार्रवाई की है। मामला बेलगावी में कई बार को अवैध रूप से लाइसेंस देने से जुड़ा है।

जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीमों ने बुधवार सुबह सुरक्षा बलों के जवानों की कड़ी सुरक्षा के बीच छापेमारी शुरू की। बेंगलुरु शहर के 5 मुख्य ठिकानों के अलावा बेलगावी और महाराष्ट्र में स्थित मंत्री और उनके साले मंजूनाथ के घर और दफ्तरों की भी तलाशी ली जा रही है। अधिकारी परिसरों में मौजूद वित्तीय दस्तावेजों, बैंक खातों और संपत्ति के कागजातों की बारीकी से जांच कर रहे हैं। यह मामला आबकारी विभाग में हुई कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। आरोप है कि सतीश जारकीहोली ने अपने मंत्री पद के प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए लगभग 18 बार को नियमों को ताक पर रखकर अवैध रूप से लाइसेंस दिलाए। जांच एजेंसियों का दावा है कि इन बार से हासिल हुई काली कमाई को अवैध रूप से विदेशों में निवेश किया गया। शुरुआती जांच में 3 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध हेरफेर की बात भी सामने आई है। अब ईडी इस फंड ट्रांसफर के स्रोत और नेटवर्क का पता लगाने के लिए कागजातों को खंगाल रही है।

इससे पहले बीते जनवरी महीने में ईडी ने कर्नाटक के आबकारी विभाग के अतिरिक्त आयुक्त वाई मंजूनाथ के खिलाफ भी बड़ी कार्रवाई की थी। मंजूनाथ जारकीहोली के साले हैं। ईडी ने तब मंजूनाथ से जुड़े कम से कम छह ठिकानों पर छापेमारी की थी।

जज ने कहा- डरपोक कहलाने से बेहतर है मरना

17 साल की सेवा में 36 दोषियों को मृत्युदंड सुनाने वाले जिला जज रवि कुमार दिवाकर

मुजफ्फरनगर, शाहपुर शहजादी हत्याकांड में पति नदीम को फांसी की सजा सुनाते हुए जिला जज रवि कुमार दिवाकर ने अपने फैसले में न्यायिक स्वतंत्रता और सिद्धांतों को लेकर कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि वह डरपोक जज कहलाने के बजाय मरना पसंद करेंगे और जब तक अपने सिद्धांतों के अनुसार काम कर सकते हैं, तब तक सेवा में रहेंगे। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जज की कुर्सी पर रहते हुए फैसला लेने का अधिकार उनका होना चाहिए। नदीम पर अदालत ने एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। जज ने अपने फैसले में कहा कि उनके माता-पिता ने उन्हें बचपन से भगवान से डरना सिखाया है, किसी और से नहीं। उन्होंने कहा कि अगर न्यायाधीश किसी अन्य व्यक्ति के डर से फैसला लेने लगे तो जनता का अदालत से भरोसा उठ जाएगा। उन्होंने माफियाओं से डरने की स्थिति में न्यायिक संस्था से इस्तीफा देने की बात भी कही।

एक जानकारी के मुताबिक, रवि कुमार दिवाकर ने 17 साल की न्यायिक सेवा में अब तक 36 दोषियों को फांसी की सजा सुनाई है। मुजफ्फरनगर में पिछले पांच महीनों में उन्होंने 23 दोषियों को मृत्युदंड दिया है। हालांकि, इन मामलों में अंतिम कानूनी स्थिति और सजा के क्रियान्वयन की जानकारी उपलब्ध सामग्री में नहीं दी गई है।

दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव मेहता ने की आत्महत्या

सुसाइड नोट में मानसिक परिशानियों का जिक्र

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव और 1975 बैच के पूर्व आईएएस अधिकारी राकेश मेहता के निधन की खबर ने प्रशासनिक जगत को झकझोर दिया है। 6 सितंबर 2026 को नोएडा स्थित अपने आवास पर उनकी मौत हुई। पुलिस ने इसे आत्महत्या बताया है और मौके से एक कथित सुसाइड नोट भी बरामद किया है, जिसमें मानसिक और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का जिक्र किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है राकेश मेहता के जीवन का आखिरी अध्याय बेहद दुखद रहा। नोएडा के सेक्टर-82 स्थित उनके आवास पर उनकी मौत हुई। पुलिस के मुताबिक उस समय वह घर में अकेले थे। उनकी पत्नी अपने छोटे बेटे से मिलने देहरादून गई हुई थीं। पुलिस को सूचना मिलने के बाद टीम मौके पर पहुंची। घर का दरवाजा अंदर से बंद था, जिसके बाद पुलिस ने दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया। मौके से एक कथित सुसाइड नोट भी मिला। पुलिस के मुताबिक इस नोट में राकेश मेहता ने अपनी मानसिक और स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का जिक्र किया था। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उनकी परेशानी की परिस्थितियां क्या थीं और घटना से जुड़े दूसरे पहलू क्या हैं। राकेश मेहता के प्रशासनिक करियर का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव 2007 में दिल्ली के मुख्य सचिव बनना था। उस समय दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित थीं। उन्होंने करीब तीन साल से ज्यादा समय तक इस पद की जिम्मेदारी संभाली। यह वह दौर था जब दिल्ली तेजी से बदल रही थी और राजधानी में बड़े बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट चल रहे थे। 2010 में दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स आयोजित किए गए थे, और गेम्स की तैयारियों के दौरान दिल्ली के मुख्य सचिव के तौर पर राकेश मेहता की भूमिका काफी महत्वपूर्ण थी।

मलबे में दबे छात्र ने किया फोन, भेजी लाइव लोकेशन फिर बची जान

दोस्तों ने सत्य निकेतन पहुंचकर किया रेस्क्यू

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली के सत्य निकेतन में पीजी बिल्डिंग गिरने की घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। इस दर्दनाक हादसे में सात लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए, लेकिन एक घटना ऐसी भी सामने आई है जिसने उम्मीद की किरण जगाई। मलबे के नीचे दबे 19 वर्षीय छात्र नीरज बाबा ने अपनी जान बचाने के लिए आखिरी दम तक हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने मलबे के नीचे फंसे रहते हुए पहले अपने दोस्तों को फोन करके मदद मांगी और फिर अपनी लाइव लोकेशन उन्हें भेज दी। यही सूझबूझ उसके लिए अपनी जिंदगी बचाने की सबसे बड़ी उम्मीद बन गई।

19 साल के नीरज बाबा पिछले कई दिनों से डीयू छात्रसंघ चुनाव के प्रचार में व्यस्त थे। लगातार 20 दिनों तक चुनाव अभियान में रहने के बाद रविवार को बारिश होने पर वह आखिरकार सत्य निकेतन स्थित अपने हॉस्टल केज पीजी लौटे थे। जैसे ही वह कमरे में पहुंचे, कुछ ही पल में पूरी इमारत भरभराकर गिर गई और वह मलबे के नीचे दब गए। गनीमत यह रही कि मलबे में फंसे होने के बावजूद नीरज के पास उसका मोबाइल था। उन्होंने तुरंत अपने दोस्तों को फोन किया और कहा, च्भैया, मुझे बचा लोज् मैं यहां मर जाऊंगा।ज्ज् इसके कुछ मिनट बाद उन्होंने अपनी लाइव लोकेशन भी भेज दी ताकि दोस्त सही जगह तक पहुंच सकें। नीरज का दोस्त विष्णु अपने साथियों के साथ तुरंत घटनास्थल पहुंचा। उन्होंने मोबाइल पर मिली लोकेशन के आधार पर मलबा हटाना शुरू किया। तभी मलबे के बीच बने एक छोटे से छेद से किसी ने मोबाइल बाहर फेंका। स्क्रीन देखकर दोस्तों को यकीन हो गया कि यह नीरज का ही फोन है और वह उसी जगह मलबे में फंसा हुआ है। इसी दौरान लोगों ने शोर मचाया कि पास की इमारत भी गिर सकती है। खतरे को देखते हुए सभी को वहां से हटना पड़ा। दोस्तों ने पुलिस से अंदर जाने की गुहार लगाई, लेकिन सुरक्षा कारणों से उन्हें रोक दिया गया।

करीब तीन घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद एनडीआरएफ की टीम ने उसी जगह से नीरज को बाहर निकाला, जहां उसकी लाइव लोकेशन मिली थी। गंभीर हालत में उसे तुरंत एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उसकी सर्जरी की गई। बाद में उसकी दूसरी सर्जरी भी हुई और परिवार के मुताबिक उसकी हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। नीरज जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले का रहने वाला है और दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कॉलेज में कॉमर्स की पढ़ाई कर रहा है।

झारखंड में लगातार 3 शिक्षा मंत्रियों का निधन

मौत के पीछे के कारणों की हो रही तलाश

रांची;। झारखंड में शिक्षा मंत्री का पद अब राजनीति में प्रचलित अंधविश्वास की कहानियों में शुमार हो गया है। लगातार तीसरे शिक्षा मंत्री की असामयिक मौत ने इस पद को लेकर गंभीर चर्चा और आशंकाएं पैदा कर दी हैं। पहले जगरनाथ महतोए फिर रामदास सोरेन और अब सुदिव्य सोनू के निधन ने सबको सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या इस पद के साथ कोई अशुभ जुड़ा है।

हेमंत सोरेन ने 2019 में जब भाजपा से सत्ता छीनीए तो उनकी सरकार में च्टाइगरच् नाम से मशहूर जगरनाथ महतो को शिक्षा मंत्री बनाया गया था। कोविड महामारी के समय उनके फेफड़े संक्रमित हुए और 6 अप्रैल 2023 को उनका निधन हो गया। जगरनाथ महतो के बाद रामदास सोरेन को शिक्षा मंत्रालय का दायित्व सौंपा गयाए लेकिन साल भर में ही वे भी चल बसे। इन दो मौतों के बाद पद पर बैठने की बारी आई तो तीसरे शिक्षा मंत्री सुदिव्य सोनू को बनाया गयाए जो हेमंत सोरेन सरकार के संकटमोचक और जेएमएम में भरोसेमंद नेता माने जाते थे। हाल ही में 6 सितंबर 2026 को उनका भी निधन हो गयाए जिसने इस पद के इद.गिर्द अंधविश्वास की कहानियों को और बल दे दिया है।

यह सिर्फ झारखंड की बात नहींए राजनीति में ऐसे कई अंधविश्वास प्रचलित हैं। बिहार में लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने अपने मंत्री आवास ;3ए देशरत्न मार्गद्ध को च्भूतियाच् बता दिया थाए जब महागठबंधन सरकार गिरने के बाद 2018 में उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा। उनका आरोप था कि भाजपा और नीतीश कुमार ने इस आवास में भूत भेज दिए हैं। पटना में 39ए हार्डिंग रोड और स्ट्रैंड रोड का बंगला नंबर 6 जैसे कई अन्य सरकारी आवासों के बारे में भी यही धारणा रही है कि यहां रहने वाले मंत्री अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाते। उत्तर प्रदेश में भी नोएडा को लेकर राजनीतिकों के बीच ऐसा ही अंधविश्वास रहा कि जो भी मुख्यमंत्री वहां गयाए उसकी कुर्सी चली गई। जून 1988 में वीर बहादुर सिंहए 1989 में एनण्डीण् तिवारी के बाद मुलायम सिंह यादवए मायावती और कल्याण सिंह के उदाहरण दिए जाते थेए जिनकी नोएडा दौरे के बाद सत्ता चली गई। इसी भय से 2012 से 2017 तक अखिलेश यादव मुख्यमंत्री रहते हुए नोएडा जाने की हिम्मत नहीं जुटा सके। हालांकिए योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनने के बाद बार.बार नोएडा का दौरा कर इस अंधविश्वास को ध्वस्त किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जेवर एयरपोर्ट के उद्घाटन के दौरान इस बात का जिक्र किया था। अब झारखंड में अगले शिक्षा मंत्री के नाम को लेकर कयास तो लग रहे हैंए लेकिन लगातार तीसरी असामयिक मौत के बाद इसकी जिम्मेदारी लेने की हिम्मत कोई जुटा नहीं पा रहा है। चर्चा है कि इस बार कांग्रेस कोटे के किसी व्यक्ति को यह पद हेमंत दे सकते हैंए या यह भी कि यदि कोई तैयार नहीं हुआ तो हेमंत अपनी विधायक पत्नी कल्पना सोरेन को मंत्रिमंडल में शामिल कर उन्हें ही शिक्षा मंत्री बना सकते हैं।

टेक्सटाइल मार्केट में लगी भीषण आग, 20 से ज्यादा गाड़ियां मौके पर तैनात

किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं, नुकसान का भी नहीं चला पता

सूरत, सूरत के सरोली इलाके में स्थित श्याम संगिनी टेक्सटाइल मार्केट में भीषण आग लग गई है। आग बुझाने करीब 20-22 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं। बचाव अधिकारियों के मुताबिक फायर कंट्रोल रूम को पहली इमरजेंसी कॉल रात करीब 12:52 बजे मिली, जिसके बाद पास के तीन फायर स्टेशनों से तुरंत दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। इस घटना में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं मिली है मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूरत नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि आग से प्रभावित मंजिलों की काफी ऊंचाई के कारण टर्नटेबल लैडर और हाइड्रोलिक प्लेटफॉर्म की मदद से आग बुझाने का काम किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी धुएं से भरे परिसर में घुसने और प्रभावित मंजिलों तक पहुंचकर आग पर काबू पाने के लिए ब्रीदिंग अपैरेटस सेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। आग की तीव्रता और दायरे को देखते हुए इसे मेजर फायर घोषित किया गया, जिसके बाद आग बुझाने और बचाव अभियान में मदद के लिए सूरत के अन्य इलाकों से अतिरिक्त दमकल गाड़ियां बुलाई गईं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 33 पैसे की गिरावट के साथ ही 95.07 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.95 पर आ गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से रुपये पर दबाव रहा। अमेरिका-ईरान के बीच जारी तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गई है। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि डॉलर में कमजोरी ने रुपये की गिरावट को कुछ हद तक सीमित रखा है।

कोफोर्ज चेयरपर्सन ओपी भट्ट ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली। आईटी सेवा कंपनी कोफोर्ज के चेयरपर्सन एवं स्वतंत्र निदेशक ओपी भट्ट ने तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। उनका यह कदम आंतरिक ऑडिट में 'बोर्ड मूल्यांकन रिपोर्ट' (बीईआर) तैयार करने और पेश करने के तरीके पर गंभीर चिंताओं के सामने आने के बाद आया है। कोफोर्ज ने बताया कि आंतरिक ऑडिटर ने भट्ट के मार्गदर्शन में बोर्ड मूल्यांकन प्रक्रिया और पेश की गई रिपोर्ट की समीक्षा की, जिसमें कुछ महत्वपूर्ण जानकारियों को निदेशक मंडल से कथित तौर पर छिपाए जाने का मामला सामने आया। इस पर निदेशक मंडल ने चिंताएं जताते हुए भट्ट से स्पष्टीकरण मांगा।

सहारा रिफंड पोर्टल फिर सक्रिय, लाखों निवेशकों को राहत

नई दिल्ली। सहारा समूह की सहकारी समितियों में फंसे पैसे का इंतजार कर रहे लाखों निवेशकों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने सहारा रिफंड पोर्टल को दोबारा शुरू किया है, जिससे करीब 20 लाख लंबित दावों की जांच और भुगतान प्रक्रिया तेज होगी। सहकारिता मंत्रालय के अनुसार, अब तक 42 लाख जमाकर्ताओं को 9,267 करोड़ रुपये सीधे आधार-संबद्ध बैंक खातों में लौटाए जा चुके हैं। पहले सहारा समूह की सहकारी समितियों को सूचना प्रौद्योगिकी और प्रशासनिक चुनौतियों के कारण दावों के निपटान में बाधाएं आ रही थीं।

विजय माल्या की सफाई- भगोड़ा नहीं, ब्रिटिश कानून ने रोका भारत आना

नई दिल्ली। पूर्व राज्यसभा सांसद और शराब कारोबारी विजय माल्या ने खुद को भगोड़ा कहे जाने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी सफाई पेश करते हुए दावा किया है कि वह जानबूझकर भारत आने से नहीं बच रहे, बल्कि ब्रिटेन में जारी कानूनी बाध्यताओं के चलते फिलहाल देश से बाहर नहीं जा सकते। माल्या ने स्पष्ट किया है कि वह सन 1992 से ब्रिटेन के स्थायी निवासी हैं और मौजूदा कानूनी प्रक्रियाओं व पाबंदियों के कारण उन्हें इस देश से बाहर जाने की अनुमति नहीं है।

रक्षा क्षेत्र में 1.1 लाख करोड़ की खरीद को मंजूरी 98 फीसदी घरेलू कंपनियों के लिए

- स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा; तीनों सेनाओं के लिए उपकरण और तकनीक का होगा निर्माण

नई दिल्ली। भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए लगभग 1.1 लाख करोड़ रुपए की रक्षा खरीद को प्रारंभिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय की खासियत यह है कि इस खरीद का लगभग 98 फीसदी हिस्सा भारतीय कंपनियों के लिए आरक्षित किया गया है, जिससे घरेलू रक्षा उद्योग को एक अभूतपूर्व बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह निर्णय बीईएल, एचएएल सहित कई सरकारी और निजी रक्षा कंपनियों के लिए आने वाले समय में बड़े ऑर्डर के रास्ते खोलेगा।

ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में अब तक रक्षा खरीद परिषद ने 1.62 लाख करोड़ के प्रस्तावों को मंजूरी दी है, और हाल के वर्षों में कुल 13 लाख करोड़ की खरीद को हरी झंडी मिली है, जो घरेलू रक्षा कंपनियों के लिए कारोबार के विशाल अवसरों का संकेत है। इस खरीद में तीनों सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण उपकरण शामिल हैं।

थल सेना के लिए जहरीली गैस, रसायन या परमाणु हमलों से प्रभावित इलाकों का पता लगाने वाले विशेष वाहन, मुश्किल रास्तों पर चलने में सक्षम सैन्य वाहन, बारूदी सुरंग बिछाने वाली मशीनें और हल्के हेलीकॉप्टर खरीदे जाएंगे। साथ ही, टैंकों के लिए रास्ता साफ करने वाले उपकरण और तेजी से पुल बनाने वाली प्रणाली भी शामिल है। नौसेना के लिए नए रडार खरीदे जाएंगे जो हवाई गतिविधियों पर नजर रखेंगे और पुराने हवाईअड्डा रडारों की जगह लेंगे। इसके अलावा, युद्धपोतों के लिए गैस टर्बाइन का निर्माण देश में ही किया जाएगा, जिससे विदेशी निर्भरता कम होगी।

वायु सेना के लिए लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकॉप्टरों की क्षमता बढ़ाने हेतु नई खरीद को मंजूरी मिली है, जिसमें बहुउद्देश्यीय जैमर भी शामिल हैं जो दुश्मन के रडार को निष्क्रिय कर सकेंगे। हालांकि, निवेशकों को यह ध्यान रखना होगा कि 1.1 लाख करोड़ रुपए के ये सीधे ऑर्डर अभी कंपनियों को नहीं मिले हैं। यह रक्षा खरीद परिषद द्वारा दी गई प्रारंभिक स्वीकृति है, जिसके बाद निविदा, मूल्य निर्धारण और अंतिम करार की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

कच्चे तेल के दाम में भारी उछाल, ब्रेंट रूड लगभग 100 डॉलर

- अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई भी 94 डॉलर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली। वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया गया, जिससे ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के बेहद करीब पहुंच गया है। अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई भी 94 डॉलर प्रति बैरल का आंकड़ा पार कर गया है। इस तेजी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित रुकावट का डर है।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, नवंबर डिलीवरी वाला ब्रेंट क्रूड 1.43 फीसदी चढ़कर 99.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि कारोबार के दौरान यह 99.66 डॉलर तक भी गया। इसी तरह, अक्टूबर डिलीवरी वाला डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.34 फीसदी की तेजी के साथ 94.28 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जो आज 94.78 डॉलर तक पहुंचा। इस अचानक तेजी के पीछे पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात और सऊदी अरब के कुछ ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमले सबसे बड़ी वजह हैं। इससे दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में से एक सऊदी अरब से तेल आपूर्ति बाधित होने का डर बढ़ गया है। तेल बाजार की दूसरी बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य है, जो वैश्विक तेल व्यापार का एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव से तेल की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका है, जिससे आपूर्ति में कमी का डर और गहरा गया है। ब्रेंट क्रूड अब 100 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर के बेहद करीब है, लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि कीमतें लगातार बढ़ती ही रहेंगी। खाड़ी देशों द्वारा वैकल्पिक मार्गों की तलाश और चीन की मांग में संभावित कमी जैसी बातें कीमतों की तेजी पर कुछ लगाम लगा सकती हैं।

हालांकि, फिलहाल आपूर्ति संबंधी चिंताएं हावी हैं। भारत के लिए यह स्थिति चिंताजनक है क्योंकि यह अपनी अधिकांश कच्चे तेल की जरूरत आयात से पूरी करता है। 100 डॉलर के आसपास बनी रहने वाली कच्चे तेल की कीमतें भारत के लिए आयात बिल बढ़ाएंगी, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ सकता है और देश में महंगाई बढ़ने की आशंका भी प्रबल होगी।

अदाणी एयरपोर्ट्स को मिला 1 अरब डॉलर का निवेश

- वैश्विक दिग्गजों ने भारत की विमानन वृद्धि पर जताया भरोसा

नई दिल्ली। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने वैश्विक एवं घरेलू निवेशकों के एक समूह से लगभग 1 अरब डॉलर की नई इक्विटी पूंजी जुटाने की घोषणा की है। अल्फा वेव ग्लोबल, टेमासेक, प्रेमजी इन्वेस्ट और ब्लैकरॉक सहित प्रतिष्ठित फंडों द्वारा यह निवेश किया जा रहा है, जिससे एएएचएल का प्री-मनी मूल्यांकन लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर आंका गया है। यह पूंजी भारत के हवाई अड्डा बुनियादी ढांचे के विस्तार, आधुनिकीकरण और एकीकृत हवाई अड्डा-शहरों के विकास पर केंद्रित होगी, जो देश के तेजी से बढ़ते विमानन बाजार में विश्वास को रेखांकित करता है। यह भारत के हवाई अड्डा बुनियादी ढांचा क्षेत्र में वित्तीय संस्थानों द्वारा किए जाने वाले सबसे बड़े प्राथमिक इक्विटी निवेशों में से एक है। निवेशकों ने एएएचएल के साथ तीन चरणों में नए इक्विटी शेयर खरीदने के लिए बाध्यकारी समझौते किए हैं, जिनके जुलाई 2027 तक पूरा होने की उम्मीद है। इन चरणों के पूरा होने के बाद, निवेशकों का समूह एएएचएल में सामूहिक रूप से लगभग 5.54 प्रतिशत हिस्सेदारी रखेगा। जुटाए गए धन का उपयोग एएएचएल के हवाई अड्डे के बुनियादी ढांचे के विस्तार और आधुनिकीकरण, एकीकृत हवाई अड्डा-शहर परिवेश विकसित करने और ग्राउंड हैंडलिंग सहित गैर-विमानन व्यवसायों का विस्तार करने में किया जाएगा। इन निवेशों से मंच की सालाना लगभग 20 करोड़ यात्रियों को सेवाएं देने की क्षमता बढ़ने की उम्मीद है। एएएचएल के एक गैर-कार्यकारी निदेशक ने इस साझेदारी को मंच के विस्तार में महत्वपूर्ण पड़ाव बताया, जबकि कंपनी सीईओ ने एएएचएल को दुनिया का सबसे बड़ा हवाई अड्डा मंच बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। अदाणी एंटरप्राइजेज की यह अनुषंगी भारत में आठ हवाई अड्डों का संचालन करती है और देश के कुल यात्री यातायात में इसकी हिस्सेदारी 23 प्रतिशत से अधिक है।

मारुति सुजुकी ने प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में बढ़ा दी हलचल

नई दिल्ली। हाल ही में नई बलेनो लॉन्च कर मारुति सुजुकी ने प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट में हलचल बढ़ा दी है। कंपनी आने वाले समय में कई और नए मॉडल और फेसलिफ्ट बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। इनमें फ्रॉन्क्स फेसलिफ्ट, ग्रैंड विटारा फेसलिफ्ट, नई इलेक्ट्रिक एमपीवी, 7-सीटर ग्रैंड विटारा और इन्विक्टो फेसलिफ्ट शामिल हैं। फ्रॉन्क्स फेसलिफ्ट को 2027 की शुरुआत में लॉन्च किए जाने की उम्मीद है। परीक्षण के दौरान सामने आई कार में नए ग्लॉस-ब्लैक ग्रिल, मोटे यू-शेप पैटर्न, नए बंपर और सिल्वर स्किड प्लेट जैसे बदलाव दिखाई दिए हैं। टर्बो वेरिएंट संस्करण में लाल रंग के इंसर्ट मिलने की संभावना है।

सबसे बड़ा अपग्रेड लेवल-2 एडीएएस हो सकता है। मौजूदा 1.0 लीटर बूस्टरजेट टर्बो पेट्रोल इंजन के जारी रहने की उम्मीद है। ग्रैंड विटारा फेसलिफ्ट 2026 के अंत से मार्च 2027 के बीच आ सकती है। इसमें नई ग्रिल, बंपर, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलैंप और अपडेटेड रियर लाइटिंग मिल सकती है। केबिन में 10.1 इंच फ्लोटिंग टचस्क्रीन और 10.25 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे बदलाव संभावित हैं। मौजूदा पेट्रोल, स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड और सीएनजी पावरट्रेन जारी रह सकते हैं। कंपनी नई इलेक्ट्रिक एमपीवी पर भी काम कर रही है, जिसे फिलहाल वाईएमसी कोडनेम दिया गया है।

यह हियरटेक-ई प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी। इसमें ई-विटारा वाले 49 और 61.1 किलोवाट-घंटे के बैटरी पैक दिए जाने की संभावना है। बड़े बैटरी पैक के साथ इसकी रेंज करीब 543 किलोमीटर तक हो सकती है। 7-सीटर ग्रैंड विटारा को वाई17 कोडनेम दिया गया है। इसे 2026 के अंत या 2027 की शुरुआत में पेश किया जा सकता है। इसमें 6 और 7 सीटों के विकल्प मिलने की संभावना है। पेट्रोल और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड के साथ सीएनजी संस्करण भी आ सकता है। इन्विक्टो फेसलिफ्ट भी 2026 के अंत से 2027 की शुरुआत के बीच लॉन्च हो सकती है।

मारुति सुजुकी अपनी पहली 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी लाने की तैयारी में

नईदिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी अगले तीन सालों में नौ नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने की योजना बना रही है। इन कारों में से सात एसयूवी मॉडल होंगे। बलेनो का नया अवतार पेश करने के ठीक बाद, मारुति अपनी पहली 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी (कोडनेम वाईएमसी) लाने वाली है। यह मॉडल साल 2026 के अंत तक दुनिया के सामने पेश किया जा सकता है और यह 2027 की शुरुआत में सड़कों पर दौड़ती नजर आएगी। यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में मारुति की बड़ी पहचान बनाने के इरादे से उठाया गया है। कंपनी इस नई 7-सीटर इलेक्ट्रिक फैमिली कार को बेहद प्रतिस्पर्धी और बजट-अनुकूल कीमत पर लाने की तैयारी में है, जिसका लक्ष्य व्यापक ग्राहक वर्ग को आकर्षित करना है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इसके बेस मॉडल की शुरुआती कीमत लगभग 14 लाख रुपये और टॉप मॉडल की कीमत 18 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक हो सकती है, जो 7-सीटर ईवी के लिए एक बड़ी बात है। यह कार अपनी ही कंपनी की ई-विटारा वाले प्लेटफॉर्म और तकनीक का उपयोग करेगी। ई-विटारा में 49 केडब्ल्यूएच और 61केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक मिलते हैं, जो एक बार फुल चार्ज होने पर करीब 543 किलोमीटर तक की ड्राइविंग रेंज देते हैं। हालांकि, वाईएमसी का आकार और ऊंचाई थोड़ी अधिक होने के कारण इसकी रेंज ई-विटारा से हल्की कम, लेकिन 500 किलोमीटर से अधिक होने की उम्मीद है। डिजाइन की बात करें तो, लीक हुई तस्वीरों से पता चलता है कि इस 7-सीटर कार का लुक बॉक्सी और ऊंचा होगा, जो केबिन में शानदार स्पेस देगा।

इसका फ्रंट बंपर और एयरो-डायनामिक अलॉय व्हील्स ई-विटारा से प्रेरित दिखते हैं, जबकि पीछे की तरफ एंटीना जैसी ऊर्ध्वाधर टेललाइट्स मिलेंगी। इंटीरियर काफी हद तक ई-विटारा जैसा ही रहने की संभावना है।

सोने का भाव 399 रुपए लुढ़का, चांदी 193 रुपए चढ़ी

- सोना 1,52,350 रुपए प्रति दस ग्राम, चांदी 2,39,700 रुपए प्रति किलो

नई दिल्ली। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बन गई हैं, जिससे महंगाई और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका गहरा गई है। इस परिदृश्य का असर बुलियन बाजार पर भी दिख रहा है, जहां निवेशकों की भावनाएं मिश्रित हैं। बुधवार को जहां सोने में गिरावट दर्ज की गई, वहीं चांदी में मिलाजुला रुख देखने को मिला, जिसमें घरेलू बाजार में तेजी और अंतरराष्ट्रीय बाजार में नरमी रही। महंगाई की चिंता और ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीद सोने पर दबाव डाल रही हैं। हालांकि, आर्थिक अनिश्चितता के इस माहौल में महंगाई से बचाव के साधन के रूप में सोने की मांग बनी हुई है। अगस्त माह में निवेश और हेजिंग मांग बढ़ने के साथ-साथ चीन समेत कई केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी ने सोने को एक मजबूत सहारा दिया था। लेकिन बुधवार को ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोना लगभग 4,415 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रहा था, जिसमें 22 डॉलर से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर भी सोने का अक्टूबर वायदा कॉन्ट्रैक्ट खबर लिखे जाने के समय 1,52,350 रुपये के स्तर पर 200 रुपये से अधिक की नरमी के साथ ट्रेड कर रहा था। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी, जहां बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रैक्ट 399 रुपये की गिरावट के साथ 1,52,180 रुपये के भाव पर खुला था। वहीं चांदी के बाजार में बुधवार को अलग तस्वीर देखने को मिली। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर चांदी का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 270 रुपये से अधिक की तेजी के साथ 2,39,700 रुपये प्रति किलो के करीब कारोबार कर रहा था। यह कॉन्ट्रैक्ट 193 रुपये की तेजी के साथ 2,39,620 रुपये पर खुला था। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर चांदी 66.60 डॉलर प्रति औंस के आसपास हल्की गिरावट के साथ कारोबार कर रही थी।

सरकार की 25,000 करोड़ की निर्यात प्रोत्साहन योजना पर संकट

- कई योजनाओं को नहीं मिल रही पर्याप्त प्रतिक्रिया

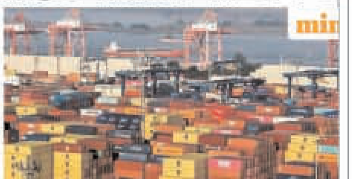

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित 25,000 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी निर्यात प्रोत्साहन मिशन (ईपीएम) को निर्यातकों से सीमित प्रतिक्रिया मिलने के बाद सरकार अब इसकी समीक्षा करने की तैयारी में है। फरवरी में औपचारिक रूप से लागू की गई इस पंचवर्षीय योजना (वित्त वर्ष 2031 तक) की अधिकांश योजनाएं निर्यातकों को लुभाने में विफल रही हैं, जिससे अधिकारियों को चिंता हो रही है। जानकारी के अनुसार ईपीएम के तहत कुल 11 योजनाओं में से केवल दो, शिपमेंट क्रेडिट पर ब्याज सब्सिडी और बाजार पहुंच सहायता को ही निर्यातकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। ये दोनों योजनाएं पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से मौजूद हैं, जिसके कारण निर्यातक इनकी आवेदन प्रक्रिया से भली-भांति परिचित हैं।

फरवरी से अब तक करीब 10,000 निर्यातकों ने ब्याज सब्सिडी के लिए और लगभग 1,000 ने बाजार पहुंच सहायता के लिए आवेदन किया है। इसके विपरीत, बिना जमानत ऋण सहायता योजना को 150 से भी कम आवेदन मिले हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय परीक्षण, निरीक्षण और प्रमाणन के लिए वित्तीय सहायता योजना में पिछले छह महीनों में सिर्फ 100 आवेदन आए हैं। ई-कॉमर्स निर्यातकों के लिए ऋण सहायता और लॉजिस्टिक सुगमता जैसी अन्य योजनाएं भी सीमित प्रतिक्रिया झेल रही हैं। सरकार अब निर्यात संवर्धन परिषदों की मदद से, विशेषकर छोटे निर्यातकों के बीच इन योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रही है। हालांकि, निर्यातकों का कहना है कि कुछ योजनाओं की रूपरेखा ही ऐसी है कि उनका उपयोग सीमित हो जाता है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 813, निफ्टी 203 अंक गिरा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भी गिरावट पर बंद हुआ। इस प्रकार लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट पर बंद हुआ है। इसका कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली को भी जिम्मेदार माना जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने के साथ ही कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई, जिससे प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक लाल निशान में बंद हुए हैं।

इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 813.35 अंक टूटकर 74,764.23 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 203.60 अंक नीचे आकर 23,431.50 पर बंद हुआ। सत्र की शुरुआत में ही बाजार दबाव में आ गया था, जब सेंसेक्स अपने पिछले बंद भाव 75,577.58 से 361.36 अंक गिरकर 75,216.22 पर खुला, और कारोबारी सत्र के दौरान यह अपने दिन के निम्नतम स्तर 74,764.23 तक फिसल गया। इसी तरह, निफ्टीभी अपने पिछले बंद 23,635.10 से 113 अंक नीचे 23,522.05 पर शुरुआत की और दिनभर के कारोबार में 23,431.50 के निचले स्तर को छुआ। इसके अलावा व्यापक बाजारों में भी कमजोरी हावी रही। निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए।सेक्टरवार प्रदर्शन की बात करें तो, निफ्टी आईटी सेक्टर को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा, जिसमें 3.24 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में भी क्रमश 2.23 फीसदी और 1.23 फीसदी की गिरावट देखी गई।

त्योहारों पर हवाई सफर हुआ महंगा, टिकट की कीमतें आसमान पर

- कई रूट्स पर 340 फीसदी तक महंगा हुआ सफर

नई दिल्ली। अगर आप दिवाली या दुर्गा पूजा की छुट्टियों में फ्लाइट से घर जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो अब आपको अपनी जेब ज्यादा ढीली करनी पड़ सकती है। त्योहारी सीजन शुरू होते ही एयरलाइंस ने हवाई किरायों में भारी बढ़ोतरी की है। कई रूट्स पर सामान्य दिनों के मुकाबले टिकटों की कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं, कुछ मार्गों पर यह वृद्धि 340 फीसदी तक दर्ज की गई है, जिससे यात्रियों का बजट बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हवाई किराए में इस बेतहाशा वृद्धि का असर प्रमुख रूट्स पर साफ दिख रहा है। विशेष रूप से कोलकाता-देवघर रूट पर सामान्य 2,800 रुपये का किराया बढ़कर 12,500 रुपये से अधिक हो गया है। इसी तरह, दिल्ली-पटना, जहां का टिकट आमतौर पर 3,500-4,500 रुपये में मिलता था, अब 12,500 रुपये से ऊपर पहुंच गया है। दिल्ली-अगत्ती का किराया भी 8,500 रुपये से बढ़कर 25,000 रुपये तक हो गया है, जबकि बेंगलुरु-झारसुगुड़ा का किराया 4,200 रुपये से 16,200 रुपये से अधिक हो गया है। मुंबई से बरेली और कोलकाता जैसे रूट्स पर भी किराए में भारी उछाल देखा गया है, जहां सामान्य 4,500 रुपये का टिकट अब 15,000 रुपये तक और 5,000 रुपये का टिकट 11,500-14,500 रुपये तक पहुंच गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, कम प्रतिस्पर्धा वाले मार्गों पर किराये में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई है। इस वृद्धि के पीछे दो मुख्य कारण हैं। पहला, त्योहारी सीजन में हवाई यात्रा की मांग में अचानक उछाल और उपलब्ध सीटों की कमी, क्योंकि एयरलाइंस अपनी कीमतें मांग और सीटों की उपलब्धता के अनुसार निर्धारित करती हैं। दूसरा, 1 सितंबर से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 5.46 फीसदी की वृद्धि हुई है, जिससे इसकी कीमत 121.28 रुपये प्रति लीटर हो गई है।

पंचायतों को बाल हितैषी बनाने की पहलए सरपंच.सचिवों को दिया प्रशिक्षण

सिंगरौली। 0 से 6 वर्ष तक के बच्चों के बेहतर स्वास्थ्यए पोषणए सुरक्षा एवं प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत बैढ़न सभागार में मुख्य कार्यपालन अधिकारी की अध्यक्षता में पीरामल फाउंडेशन एवं कैवल्या एजुकेशन फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में प्मीवष् कार्यक्रम अंतर्गत सरपंचोंए सचिवों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

युवा संगम रोजगार मेला 15 सितंबर को पॉलिटेक्निक कॉलेज पचौर में

सिंगरौली। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगारए स्व.रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 15 सितंबर को विकासखंड स्तरीय युवा संगम.रोजगारए स्व.रोजगार एवं प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेजए पचौर में प्रातः 10रू30 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित होगा।

नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार वाहन रवाना

सीधी राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयागलाल दिनकर के मार्गदर्शन में 12 सितंबर(शनिवार) को जिला न्यायालय सीधी सहित सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित कराने तथा आमजन को लोक अदालत के लाभों की जानकारी देने के उद्देश्य से शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

भाईदूज पर 11 नवंबर को सिंगरौली जिले में स्थानीय अवकाश घोषित

सिंगरौली। कलेक्टर श्री गौरव बैनल द्वारा भाईदूज के पावन पर्व के अवसर पर सिंगरौली जिले के संपूर्ण क्षेत्र में 11 नवंबर 2026 ;बुधवारद्ध को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। मध्यप्रदेश शासनए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा सामान्य पुस्तक परिपत्र के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर कलेक्टर द्वारा स्थानीय अवकाश संबंधी आदेश जारी किया गया है।

पंचायत उप निर्वाचन 2026 मतदान कर्मियों का प्रथम प्रशिक्षण 11 सितंबर को

सीधी अपर कलेक्टर ने जानकारी देते हुए बताया कि पंचायतों के उप निर्वाचन (पूर्वार्द्ध) 2026 के लिए नियुक्त मतदान कर्मियों का प्रथम प्रशिक्षण 11 सितंबर 2026 को दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित किया जाएगा।

प्रशिक्षण का आयोजन शासकीय संजय गांधी स्मृति पी.जी. कॉलेज, नया भवन, सीधी में किया जाएगा। अपर कलेक्टर ने निर्वाचन कार्य में नियुक्त सभी पीठासीन अधिकारी (पीओ) एवं मतदान अधिकारी क्रमांक-1 (पीओ-1) को प्रशिक्षण में निर्धारित समय पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

अवैध रेत उत्खनन में चार ट्रैक्टर जप्त

सिंगरौली कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशानुसार तथा खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सहायक खनि अधिकारी श्री रामसुशील चौरसिया द्वारा 09 सितम्बर 2026 को धनहरा क्षेत्र में रेत के अवैध उत्खनन में संलग्न बिना नंबर के चार ट्रैक्टरों को जप्त किया गया।

पीएम स्वनिधि योजना से पथ विक्रेताओं को मिल रहा आर्थिक संबल, लोक कल्याण

मेले में ऋण वितरण की कार्यवाही

नगर पालिका सीधी में 30 सितम्बर तक आयोजित हो रहा लोक कल्याण मेला

सीधी पथ विक्रेताओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और उन्हें शासन की योजनाओं का सहज लाभ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद सीधी में पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत लोक कल्याण मेले का आयोजन 01 सितम्बर से 30 सितम्बर 2026 तक किया जा रहा है। कलेक्टर विकास मिश्रा के निर्देशन एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी महमूद हसन के मार्गदर्शन में आयोजित इस मेले के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

लोक कल्याण मेले में पीएम स्वनिधि योजना के पात्र हितग्राहियों के ऋण आवेदन, पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड के आवेदन तथा हितग्राही प्रोफाइलिंग का कार्य किया जा रहा है। अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा हितग्राहियों को योजना की पात्रता, ऋण प्राप्त करने की प्रक्रिया, डिजिटल लेन-देन और योजना से मिलने वाले विभिन्न लाभों की जानकारी भी दी जा रही है। अभियान के क्रम में 08 सितम्बर 2026 को लगभग 30 हितग्राहियों के ऋण आवेदन कराकर ऋण वितरण की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को पीएम स्वनिधि क्रेडिट कार्ड तथा योजना के अंतर्गत उपलब्ध अन्य सुविधाओं की जानकारी प्रदान की गई। नगर पालिका द्वारा मेले के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है कि पात्र पथ विक्रेताओं को ऋण एवं अन्य सुविधाओं के लिए अनावश्यक परेशानी न हो और उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। योजना के माध्यम से पथ विक्रेताओं को अपनी छोटी व्यावसायिक गतिविधियों को मजबूत करने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल रहा है।लोक कल्याण मेले के दौरान हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ आवेदन प्रक्रिया में आवश्यक सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है। नगर पालिका परिषद का उद्देश्य है कि अभियान के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र पथ विक्रेताओं को पीएम स्वनिधि योजना से जोड़ा जाए और उनकी आर्थिक गतिविधियों को सशक्त बनाया जाए। नगर पालिका परिषद सीधी ने सभी पात्र पथ विक्रेताओं एवं हितग्राहियों से अपील की है कि वे लोक कल्याण मेले में उपस्थित होकर पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत ऋण, क्रेडिट कार्ड एवं अन्य पात्र सुविधाओं का लाभ प्राप्त करें।

स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर व्यापारियों का विरोध साई मंदिर से निकाला मौन जुलूस

उपमुख्यमंत्री के निवास पर कथित उपद्रव की निंदा व्यापारियों ने कहा रीवा की चिकित्सा व्यवस्था से पूरे विंध्य को मिलता है लाभ

रीवा। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के रीवा स्थित निवास पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए कथित उपद्रव और शहर की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेस द्वारा उठाए जा रहे सवालों के विरोध में रीवा शहर के व्यापारियों ने मौन जुलूस निकाला।साई मंदिर से शुरू हुआ मौन जुलूस नगर के विभिन्न क्षेत्रों से होकर गुजरा। इसमें फुटकर विक्रेताओंए ठेला.घुमटी संचालकों सहित बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लिया। व्यापारियों ने कांग्रेस की कथित अराजक एवं असंसदीय गतिविधियों की निंदा की।

व्यापारी नेता नरेश काली ने कहा कि रीवा की स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पूरे विंध्य क्षेत्र के लोगों को मिल रहा है। बाहर से आने वाले मरीजों और उनके परिजनों के कारण होटलए ऑटोए चाय.नाश्ताए फुटकर व्यापार और अन्य स्थानीय व्यवसायों को भी आर्थिक गतिविधियों का लाभ मिलता है।उन्होंने कहा कि यदि स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर नकारात्मक वातावरण बनाया जाता है तो इसका सीधा असर रीवा के स्थानीय व्यापार पर पड़ सकता है।

व्यापारी कमलेश सचदेवा ने कहा कि रीवा की चिकित्सा व्यवस्था लगातार आधुनिक और सुविधायुक्त हो रही है। बड़ी संख्या में मरीज सरकारी अस्पतालों में उपचार के लिए पहुंच रहे हैंए जिससे रीवा की चिकित्सा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा भी दिखाई देता है।

मौन जुलूस में गणेश अग्रवाल घनश्याम टंकर सुनील अग्रवालए बंसी साहूए राजन वर्माए अतुल जैनए नरेंद्र गुप्ताए मनोज अग्रवालए जयंत खन्ना प्रकाश तरणी नंदलाल तंबाकड़ राजा आहूजाएअनिल बुधनी धनंजय सोनीए पंकज जैनए अनिल श्रीवास्तवए संजीव गुप्ताए संजय चावला सहित बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल रहे।

प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल 10 एवं 11 सितम्बर को सीधी जिले के प्रवास पर

सीधी मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं सीधी जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप जायसवाल 10 एवं 11 सितम्बर को सीधी जिले के प्रवास पर रहेंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री 10 सितम्बर को रात्रि 7 बजे परसिली रिसोर्ट सीधी पहुंचेंगे तथा रात्रि विश्राम करेंगे।

11 सितम्बर को प्रातः 10 बजे परसिली से सिहावल के लिए रवाना होंगे और प्रातः 11.30 बजे सिहावल पहुंचेंगे। यहां वे शासकीय सांदीपनि उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिहावल के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगे। इसके साथ ही युवा संवाद, मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान कार्यक्रम, हितलाभ वितरण तथा शासकीय जूनियर आदिवासी बालक छात्रावास सिहावल के लोकार्पण कार्यक्रम में भाग लेंगे।

प्रभारी मंत्री दोपहर 2.30 बजे सिहावल से सर्किट हाउस सीधी के लिए प्रस्थान करेंगे तथा 3 बजे सर्किट हाउस पहुंचकर जनप्रतिनिधियों एवं जनसामान्य से भेंट एवं चर्चा करेंगे।

नपा अध्यक्ष द्वारा श्रीराम की प्रतिमां भेंटकर किया अभिनंदन

मैहर।नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का मैहर आगमन पर नगर पालिका परिषद मैहर की अध्यक्ष श्रीमती गीता संतोष सोनी द्वारा माता की चुनरी साल, और भगवान श्रीराम की प्रतिमां भेंटकर आत्मीय स्वागत अभिनंदन किया गया। इस दौरान नपा अध्यक्ष ने नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय को शहर के विकास हेतु मांगपत्र भी दिया गया। उक्त अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष कमलेश सुहाने, सभापति अशोक चौबे, संजय जादवानी, पवन दुबे सहित काफी लोग उपस्थित रहे।

तेंदुए की खाल की तस्करी में 3 आरोपी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजे गए

डीआरआई की कार्रवाई के बाद वन विभाग ने की विस्तृत जांच, शिकार में प्रयुक्त औजार भी जब्त

सीधी राजस्व आसूचना निदेशालय इकाई भोपाल की टीम द्वारा सीधी शहर में तेंदुए की एक खाल के साथ दो व्यक्तियों को पकड़े जाने के बाद वन विभाग ने मामले में कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से शिकार में प्रयुक्त किए जाने वाले औजार भी जब्त किए गए हैं। तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किए जाने पर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वन मंडल अधिकारी वन मंडल सीधी प्रीति अहिरवार ने बताया कि 5 सितम्बर को डीआरआई भोपाल की टीम ने थार वाहन में तेंदुए की खाल के साथ दो व्यक्तियों को सीधी शहर में पकड़ा था। वन्यजीव से संबंधित मामला होने के कारण प्रकरण को अग्रिम कार्रवाई के लिए वन विभाग, सामान्य वन मंडल सीधी के परिक्षेत्र सीधी को सौंपा गया।पूछताछ में आरोपियों अभिषेक सिंह चंदेल उर्फ प्रिंस सिंह पिता पुष्पराज सिंह चंदेल, उम्र 26 वर्ष, निवासी सिहावल, थाना अमिलिया, जिला सीधी तथा अनमोल सिंह चंदेल पिता रण बहादुर सिंह चंदेल, उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम बीरादेही, तहसील हनुमना, जिला मऊगंज द्वारा तेंदुए की खाल की तस्करी में शामिल होने की जानकारी दी गई। आरोपियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर वन विभाग की टीम ने रीवा वन मंडल के वन परिक्षेत्र हनुमना क्षेत्र के ग्राम धनुहीनार, पोस्ट बीरादेही में दबिश देकर ललन सिंह गोंड़ पिता चरकू सिंह गोंड़, उम्र 53 वर्ष को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से शिकार में उपयोग किए जाने वाले औजार जब्त किए गए। वन विभाग द्वारा तीनों आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 यथा संशोधित 2022 की विभिन्न धाराओं के तहत वन अपराध प्रकरण क्रमांक 25012/18, दिनांक 05 सितम्बर 2026 पंजीबद्ध किया गया।

शिक्षक दिवस पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस सीधी में शिक्षकों का गरिमामय सम्मान

सीधी शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, सीधी में शिक्षक सम्मान समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, संस्कार और विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित करते हुए शिक्षकगणों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. प्रभाकर सिंह के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर डॉ. के. एस. नेताम, डॉ. अनिल सिंह, डॉ. संदीप देव पाण्डेय, डॉ. के. बी. सिंह, डॉ. अरविंद त्रिपाठी, डॉ. आई. पी. प्रजापति, डॉ. पुष्पेंद्र शाह, डॉ. गुलाम सहित महाविद्यालय के शिक्षक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. दिलीप सोनी ने किया। डॉ. अनिल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आदर्श शिक्षक केवल विषय का ज्ञान देने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि अपने आचरण, अनुशासन, संवेदनशीलता और समर्पण के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन की सही दिशा प्रदान करता है। उन्होंने शिक्षक के श्रेष्ठ गुणों को अपने व्यवहार और जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। उनके मार्गदर्शन से विद्यार्थी ज्ञान के साथ संस्कार, नैतिक मूल्य, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना ग्रहण करते हैं। बदलते समय में शिक्षक की भूमिका और अधिक व्यापक हुई है तथा विद्यार्थियों को सक्षम, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बनाने में उनका योगदान महत्वपूर्ण है।

समारोह में महाविद्यालय के शिक्षकगणों का सम्मान किया गया। आयोजन ने गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को अभिव्यक्त करते हुए महाविद्यालय परिवार में आत्मीयता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

वित्तीय अनियमितताओं पर जिला पंचायत सीईओ की सख्त कार्रवाई

सिंगरौली। जिला पंचायत सिंगरौली के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री संघ प्रिय द्वारा ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों के नाम पर शासकीय राशि के दुरुपयोग एवं वित्तीय अनियमितताओं के मामलों में सख्त कार्रवाई की गई है। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर दो अलग.अलग ग्राम पंचायतों में संबंधित जनप्रतिनिधियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध वसूली तथा दंडात्मक कार्रवाई की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है।ग्राम पंचायत खुटार निवासी लक्ष्मी नारायण द्वारा की गई शिकायत के आधार पर गठित संयुक्त जांच दल ने 11 जून 2026 को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। जांच में विभिन्न निर्माण कार्यों में कुल 20 लाख 82 हजार 368 रुपये की वित्तीय अनियमितता पाई गई। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए 8 सितंबर 2026 को वर्तमान सरपंच श्रीमती सरिता पनिका के विरुद्ध मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियमए 1993 की धारा 40 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया तथा 10 लाख 41 हजार 184 रुपये की वसूली के लिए धारा 92 के अंतर्गत नोटिस जारी किया गया है। इसी प्रकरण में तत्कालीन सचिव अशोक कुमार शाहए वर्तमान सचिव ग्राम पंचायत रौंदीए के विरुद्ध भी धारा 92 के तहत कार्रवाई करते हुए 10 लाख 41 हजार 184 रुपये की वसूली हेतु नोटिस जारी किया गया है।

आस्था के साथ प्रकृति की रक्षा का संकल्प, घर-घर विराजेंगे माटी गणेश

'माटी गणेश-सिद्ध गणेश' अभियान को लेकर कलेक्टर ने दिए व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश

सीधी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार गणेश उत्सव को पर्यावरण संरक्षण और सनातन परंपराओं से जोड़ने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा 'माटी गणेशद्सिद्ध गणेश' अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के माध्यम से जिले में अधिक से अधिक लोगों को मिट्टी से निर्मित गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के लिए प्रेरित किया जाएगा, ताकि आस्था के साथ प्रकृति संरक्षण का संदेश घर-घर तक पहुंचे। अभियान की तैयारियों और जिले में व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर बुधवार को कलेक्टर विकास मिश्रा के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी तथा जिला समन्वयक मुकेश गौर उपस्थित रहे। बैठक में अभियान की गतिविधियों, जनजागरूकता और प्रचार-प्रसार की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर विकास मिश्रा ने 'माटी गणेशद्सिद्ध गणेश' अभियान को जनअभियान का स्वरूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गणेश उत्सव समाज के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने वाला पर्व है। ऐसे में यदि धार्मिक आस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी घर-घर तक पहुंचे, तो यह अभियान व्यापक सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है।

उन्होंने जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अभियान का प्रभावी प्रचार-प्रसार करने तथा विभिन्न माध्यमों से लोगों को इससे जोड़ने के निर्देश दिए।

माटी के गणेश, प्रकृति के संरक्षण का संदेश

शासी निकाय सदस्य कृष्णकांत द्विवेदी ने कहा कि 'माटी गणेशद्सिद्ध गणेश' केवल प्रतिमा परिवर्तन का अभियान नहीं, बल्कि अपनी परंपराओं को प्रकृति के साथ जोड़ने का संकल्प है।

वन विभाग के अधिकारियों द्वारा हाथियों का गहन अनुश्रवण

मैहर। वनमण्डलाधिकारी विद्याभूषण मिश्रा ने बताया कि बुधवार को वनमंडल मैहर अंतर्गत परिक्षेत्र अमरपाटन के बीट गोरसरी के कक्ष क्रमांक 605 में नर हाथी ई 5 का समुचित अनुश्रवण क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व उमरिया, उप संचालक बांधवगढ़ टाईगर रिजर्व उमरिया, वन संरक्षक वन वृत्त रीवा, वनमण्डलाधिकारी मैहर एवं वन्यप्राणी चिकित्सकों के दल द्वारा किया गया। एनिमल के व्यवहार एवं विगत 48 घण्टे में कई घटनाओं का मूल्यांकन किया गया एवं आवश्यक प्रबंधन स्टेण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर अनुसार किये जाने का निर्णय लिया गया। वन विभाग का पूरा अमला हाथियों का समुचित एवं गहन अनुश्रवण कर रहा है।

आम जनमानस की सुरक्षा के साथ साथ हाथी की सुरक्षा भी सर्वोच्च प्राथमिकता की विषयवस्तु है। वर्तमान में हाथी विगत 24 घण्टे से अपने प्राकृतिक आवास पर कक्ष क्रमांक 605 में रहा है एवं गतिविधियाँ प्राकृतिक एवं सामान्य प्रेक्षित की गयी हैं। हाथी का व्यवहार एवं विचरण पर विषय विशेषज्ञ दल द्वारा निरंतर रेडियो कॉलर से प्राप्त डाटा का विश्लेषण किया जा रहा है एवं तदानुसार आवश्यक वांछित प्रबंधकीय कदम क्षेत्र में लिये जा रहे हैं। हाथियों की समुचित सुरक्षा हेतु आवश्यकतानुसार विद्युत विच्छेदन भी कराया जा रहा है। संभावित प्रभावित ग्रामों में गहन मुनादी का कार्य कराया गया है औम जनमानस को हाथी से सुरक्षात्मक दूरी बनाये रखे जाने के अनुरोध किये गये हैं। वर्तमान में हाथी का विचरण प्राकृतिक वाइल्ड लाइफकॉरिडोर में हो रहा है एवं कैमोर श्रेणी के समानांतर जिला रीवा एवं सीधी की ओर हाथी के प्रवास की संभावना भी निर्मित हो रही है। आम जनमानस से अनुरोध है कि हाथियों से न्यूनतम सुरक्षात्मक दूरी बनाकर रखें वन विभाग का पूरा अमला हाथियों के गहन अनुश्रवण में लगा हुआ है एवं आम जनमानस की एवं उनके फसलों की समुचित सुरक्षा विभाग के सर्वोच्च प्राथमिकता की विषयवस्तु है अतः सभी से विनम्र अनुरोध है कि हाथी के पास न जायें जंगलों में बिना अनुमति प्रवेश न करें फोटोग्राफी या सेल्फी के चक्कर में जान को जोखिम में न डालें और न ही हाथी को किसी भी प्रकार से टार्च या हैवी रोशनी के माध्यम से हाथी को न उकसायें हाथी से न्यूनतम 200 मीटर की दूरी बनाकर रखें ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की पुनरावृत्ति न हो। हाथी से सुरक्षात्मक दूरी ही एक मात्र उपाय है वन्यप्राणियों द्वारा फसल हानि करने पर राजस्व पुस्तक परिपत्र अनुसार क्षतिपूर्ति के प्रावधान हैं। उक्त क्षतिपूर्ति राजस्व विभाग द्वारा दी जावेगी। हाथी को खेत से बाहर करने या हटाने के प्रयास में उसके पास कोई न जाय हाथी से कम से कम 200 मीटर की सुरक्षात्मक दूरी बनाकर रखें। जंगल के किनारे कच्चे मकानों पर हाथी विचरण के दौरान निवास न करें ज्यादा से ज्यादा पक्के मकानों यथा ग्राम पंचायत भवन सामुदायिक भवन में आश्रय लिया जा सकता है।

सीईओ जिला पंचायत ने चितरंगी में आजीविका गतिविधियों का किया निरीक्षण

स्व.सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर आयए रोजगार एवं मार्केट लिंकेज की ली जानकारी

सिंगरौली। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिंगरौली श्री संघप्रिय ने जनपद पंचायत चितरंगी का भ्रमण कर मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन एवं ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों का मैदानी स्तर पर निरीक्षण किया। भ्रमण की शुरुआत ग्राम समुआर से हुईए जहां अहिल्याबाई स्व.सहायता समूह द्वारा संचालित हैंडलूम गतिविधि का अवलोकन कर समूह की महिलाओं से उत्पादोंए उत्पादन क्षमताए बिक्रीए मार्केट लिंकेज एवं आय की जानकारी ली गई। उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता एवं बेहतर बाजार उपलब्धता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके पश्चात श्एक बगिया मां के नामश् अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्य का निरीक्षण कर पौधों के संरक्षण एवं नियमित देखभाल सुनिश्चित करने तथा पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए। ग्राम कतरीहार में पुलेट.ब्रीडर फीड फर्म की प्रगति का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों से स्थानीय आदिवासी परिवारों को रोजगार एवं आय के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्य की निरंतर निगरानी के निर्देश दिए तथा मौके पर उपस्थित उपयंत्री एवं सहायक उपयंत्री को निर्माण एवं विकास कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश देते हुए स्पष्ट किया कि गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा और लापरवाही पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी।

पिता की सेवा अथवा उनकी आज्ञा का पालन करने से बढ़कर और कोई धर्माचरण नहीं है।
- वाल्मीकि

जहरीली शराब से हो रहीं मौतों के लिए कौन जिम्मेदार

देश में जहरीली शराब के कारण हर साल सैकड़ों की संख्या में हो रही मौत के आंकड़े साल दर साल बढ़ते चले जा रहे हैं। गुजरात, बिहार में पूर्ण शराबबंदी है। जिन राज्यों में शराब बंद है, वहां पर मौत हों तो समझ में भी आता है, लेकिन जिन राज्यों में शराब का कारोबार सरकार की सरपरस्ती में होता है वहां पर यदि जहरीली शराब पीकर लोग मर रहे हैं तो इससे बड़ा अपराध सरकारों के लिए नहीं हो सकता है। लोगों तक जहरीली शराब किस तरह से पहुंच रही है? शराब कैसे जहरीली हो रही है? उनके कारण खोजने के स्थान पर जब गरीब-गुरुवा जहरीली शराब पीकर मर जाते हैं] उस समय सरकारी खजाने से कुछ राशि मुआवजे के रूप में दे दी जाती है। बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, लेकिन जिनके ऊपर इस अपराध को रोकने की जिम्मेदारी है, वह अपने आप को बचा लेते हैं। इसका जिम्मा आबकारी विभाग और पुलिस के ऊपर छोड़कर गरीबों को मौत के मुंह में जानबूझकर ढकेलने के जो अपराधी हैं, उन पर आज तक ना तो कोई प्रश्न चिन्ह लग रहा है ना वह अपनी जिम्मेदारी मान रहे हैं। कहा जाता है इसके लिए सही मायने में सरकार में बैठे हुए नेता और अधिकारी जिम्मेदार हैं। शराब का कारोबार जब सरकार कर रही है तो यह सरकार में बैठे हुए लोगों की जिम्मेदारी है कि वह देखें शराब केवल राजस्व बढ़ाने का साधन नहीं है। देसी शराब मजदूर और गरीब आदमी पीता है। वह दिन भर मेहनत करता है, लेकिन वह नशे का आदी हो चुका है। 2004 के पहले तक राज्य सरकारें गरीबों के लिए देसी शराब के ठेके चलाती थीं। देसी शराब से कमाई के स्थान पर वह गरीबों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए पीने योग्य देसी शराब कम कीमत में उपलब्ध कराती थीं। उस समय कभी भी जहरीली शराब से मरने की खबरें नहीं आती थीं। 2004 के बाद से लगभग सभी राज्यों में देसी और विदेशी शराब अब लगभग एक ही कीमत पर बिक रही हैं। हर साल शराब महंगी होती जा रही है। गरीब सबसे ज्यादा शराब पीता है। जब उसके पास पैसा नहीं होता है तो वह कच्ची शराब भी पी लेता है।

इसके अलावा पिछले तीन-चार वर्षों में एथेनॉल के प्लांट बड़ी तेजी के साथ लगना शुरू हो गए हैं। हर जिले में अवैध तरीके से शराब बनाई जा रही है। इथेनॉल आसानी से उपलब्ध हो जाता है। 1 लीटर एथेनॉल में चार बोतल शराब बन जाती है। लेकिन पानी का घनत्व हर जिले का अलग-अलग होता है, जिसके कारण जो अवैध शराब बनाकर बिक्री की जा रही है उसमें आबकारी विभाग, पुलिस विभाग और राजनेताओं का संगठित विरोध इस धंधे में काम कर रहा है। करोड़ों रुपए की कमाई हर माह शराब के अवैध कारोबार से पुलिस, आबकारी विभाग और नेताओं को हो रही है। पहले भी कच्ची शराब मेथेनॉल और एथेनॉल का उपयोग कर बनाई और बेची जाती थी, लेकिन कभी इस तरीके की घटनाएं नहीं होती थीं। अब यह घटनाएं लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। ऐथेनॉल पर न तो पुलिस और न ही आबकारी विभाग का जोर चलता है, ऐसे में यह आसानी से मिल जाता है। मध्य प्रदेश में जहरीली शराब से लगभग 50 लोगों की मृत्यु हो जाने की बात सामने आई है। शासन उसे स्वीकार नहीं कर रहा है। कोई 13 बताता है तो कोई 17 बताता है। गरीबों के पास काम नहीं है। शराब की उन्हें आदत लग चुकी है। देसी शराब जो पहले 20 रुपये में मिलती थी अब 75 रुपये तक में मिल रही। उस समय अंग्रेजी शराब महंगी होती थी। आज की तारीख में अंग्रेजी शराब और देसी शराब की कीमत लगभग एक ही है। ऐसी स्थिति में राज्य सरकारों की नीतियां इस तरह की मौत का सबसे बड़ा कारण है। सबसे ज्यादा नशा गरीब करते हैं। सिगरेट हो, बीड़ी हो, शराब हो, तंबाकू हो यह सब मजदूर वर्ग और मेहनतकश इस तरह के नशे के आदी हो जाते हैं। उनकी आर्थिक स्थिति इस तरह की नहीं होती है कि वह इसका खर्च उठा पाएं, ऐसे में वह हमेशा सस्ता विकल्प देखते हैं। देसी शराब के रूप में जो सस्ता विकल्प था वह खत्म हो गया है।

केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा जिस तरह से गुटका, तंबाकू, सिगरेट और शराब में भारी टैक्स लगाया जाता है उसके बीच में सरकारों द्वारा यह दलील दी जाती है कि इनको रोकना है। यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सरकार आंखों में पट्टी बांधकर रखती हैं। साल दर साल इनकी खपत बढ़ती ही जा रही है। सरकारी खजाने में राजस्व बढ़ता चला जा रहा है। वैध और अवैध रूप से नशे का कारोबार बढ़ता जा रहा है। सरकार अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेती है। जब कभी इस तरह की घटनायें हो जाती हैं, उस समय पुलिस और आबकारी विभाग के कर्मचारियों पर ठीकरा फोड़कर अपने आपको बचा लेती हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। नशा अनादि काल से होता रहा है। देवता भी सोम रस का सेवन करते रहे हैं। हर व्यक्ति का अपना कोई नशा होता है लेकिन पहले गरीब और अमीर के नशे में जो भेद था अब वह खत्म हो गया है। अब सबसे ज्यादा नशे के कारोबार में गरीबों से कमाई हो रही है और गरीबों को लूटने का कोई भी मौका केंद्र और राज्य सरकारें नहीं छोड़ रही हैं। जिसके कारण स्थिति दिन प्रतिदिन नियंत्रण से बाहर होती जा रही है। जब इस तरीके की घटनाएं होती हैं, कुछ दिनों तक हो हल्ला मचता है। उसके बाद नशे के इस कारोबार में संगठित माफिया कमाई करता रहता है। राजनीतिक संरक्षण में यह सारा कारोबार चल रहा है। इसके लिए सही मायने में सरकार में बैठे हुए मंत्री और अधिकारियों की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

देश में घूम रहे लाखों दिमाग़ी नफ़रती स्वतंत्र

इन दिनों स्वतंत्र भारद्वाज नामक एक 21 वर्षीय नवयुवक अपने कुछ अति नफ़रती पॉडकास्ट की वजह से चर्चा में है। मूल रूप से बिहार के दरभंगा के ग्रामीण परिवेश में पला बढ़ा यह नवयुवक दिल्ली विश्वविद्यालय का छात्र भी रहा है। वह खुद को कट्टर हिंदुत्ववादी विचारधारा से जुड़ा हुआ बताता है और कई हिंदू संगठनों और गोरक्षकों के साथ मिलकर सक्रिय रूप से काम भी करता रहा है। पिछले दिनों इसने एक यूट्यूब चैनल के पॉडकास्ट में अपना संगीन जुर्म क़ुबूल करते हुये जो खुलासे किये और जिसतरह नफ़रत का ज़हर उगला वह देश के शांतिप्रिय समाज को हैरान करने वाले थे। पॉडकास्ट में स्वतंत्र भारद्वाज ने बड़ी ही बेबाकी और गर्व के साथ हंसते हुए यह दावा किया कि उसने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन काक्रोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान निशु आज़ाद के पिता संजय कुमार का सिर फोड़ दिया था। उसने यह भी कहा कि पीड़ित को गंभीर चोट आई थी और लगभग 60 टांके लगे थे। उसने आगे कहा कि ऐसी चोट पर अमूमन धारा 307 (हाफ़ मर्डर/हत्या का प्रयास) लगती है। फिर उसने बड़ी शान से कहा कि बंदा एम्बुलेंस से अस्पताल जा रहा था, लेकिन वह खुद अगले ही दिन बाहर आ गया और उसे एक रात भी जेल में नहीं बितानी पड़ी। इसी पॉडकास्ट में उसने यह दावा भी किया कि पीएम मोदी,बीजेपी नेता कपिल मिश्रा और केंद्रीय मंत्री चिराग़ पासवान आदि उसके बड़े भाई जैसे हैं। उसका कहना था कि इन बड़े नेताओं और रसूखदारों के फ़ोन आने पर और उनकी पैरवी के दबाव में दिल्ली पुलिस ने उसे छोड़ दिया था। उसने पॉडकास्ट में छात्रा व एक्टिविस्ट निशु आज़ाद को भी धमकाते हुए कहा कि अब निशु अगला टारगेट है और सारी फ़ील्डिंग सेट है। स्वतंत्र भारद्वाज ने इंटरव्यू के दौरान मुस्लिम समुदाय के प्रति अपनी गहरी नफ़रत भी ज़ाहिर की थी। उसने कहा कि वह मौक़ा खोजता है कि कोई मुस्लिम ग़लती करे तो वह उनका इलाज करे। उसने गोल टोपी और दाढ़ी वाले लोगों को लेकर बेहद आपत्तिजनक और विवादित बयान भी दिए थे। आज देश की धर्मनिरपेक्षता व संविधान का सम्मान करने वाला देश का एक बड़ा वर्ग भले ही स्वतंत्र की बातों व उसके दुस्साहस का विरोध क्यों न कर रहा हो परन्तु इसके बावजूद भी चंद नफ़रती दक्षिणपंथी लोगों का समूह उसके समर्थन में भी नज़र आया।

इस नफ़रती ज़हरीले युवक की कांग्रेस,राहुल गाँधी,काक्रोच जनता पार्टी कार्यकर्ताओं व सांसद चंद्रशेखर आज़ाद जैसे लोगों के भारी दबाव व प्रदर्शन के बाद फ़िलहाल गिरफ़्तार किये जाने की ख़बर है। किसी दक्षिणपंथी व्यक्ति के नफ़रत और आपराधिक क़ुबूलनामे का यह पहला वीडिओ नहीं है। याद कीजिये गुजरात दंगों के बारे में साल 2007 में तहलका पत्रिका के पत्रकार आशीष खेतान द्वारा किए गए ऑपरेशन कलंक नामक स्टिंग ऑपरेशन में, बजरंग दल के तत्कालीन गुजरात प्रमुख बाबू बजरंगी उर्फ़ बाबूभाई पटेल ने कैमरे पर 2002 के नरोदा पाटिया नरसंहार में अपनी सीधी भूमिका और बेहद ख़ौफ़नाक अपराधों में अपनी संलिप्तता को इसी तरह क़ुबूल किया था। बाबू बजरंगी ने बड़ी ही क्रूरता और गर्व के साथ हंसते हुए और छाती ठोककर स्वीकार किया था कि उसने नरोदा पाटिया में लोगों को बेरहमी से काटा और ज़िंदा जलाया था। उसने कहा था, हमें मारने में बहुत मज़ा आया... ऐसा लगा जैसे हम महाराणा प्रताप हैं। उसने कैमरे पर दावा किया था कि उसने कौसर बानो नामक एक नौ महीने की गर्भवती मुस्लिम महिला के पेट को तलवार से चीर दिया था। उसने बताया था कि कैसे दंगाइयों की भीड़ ने नरोदा पाटिया इलाक़े को चारों तरफ़ से घेर लिया था ताकि कोई भी मुस्लिम बचकर भाग न सके। उसने पूरे इलाक़े को आग के हवाले करने की बात भी स्वीकार की थी। बजरंगी ने क़बूल किया था कि गोधरा कांड का बदला लेने के लिए उसने ख़ुद रिवॉल्वर, तलवारें और हथियार बांटे थे। उसने अपनी एक गन फ़ैक्ट्री होने और वहां बड़ी मात्रा में डीज़ल बम तथा पाइप बम बनाकर हिंदुओं को सप्लाई करने की बात भी कही थी। उसने यह दावा भी किया था कि दंगों के दौरान राज्य की पुलिस मूकदर्शक बनी रही और उनका पूरा साथ दे रही थी। उसने यह भी दावा किया था कि दंगों के बाद जब उसकेख़िलाफ़ मामले दर्ज हुए, तो तत्कालीन मुख्यमंत्री (नरेंद्र मोदी) ने उसे सुरक्षित जगहों पर छिपने और क़ानूनी राहत दिलाने में मदद की थी। इसी ऑन-कैमरा क़ुबूलनामे और अन्य चश्मदीदों के बयानों को मुख्य आधार बनाकर ही अदालत ने 2012 में बाबू बजरंगी को दोषी ठहराया और आजीवन कारावास की सज़ा सुनाई थी, जिसे बाद में गुजरात हाई कोर्ट ने भी बरक़रार रखा।

यह और बात है कि सुप्रीम कोर्ट ने उसे मार्च 2019 में ख़राब स्वास्थ्य और मेडिकल ग्राउंड पर सशर्त ज़मानत दे दी थी। जेल प्रशासन और डॉक्टरों की रिपोर्ट के मुताबिक़ बाबू बजरंगी की आंखों की रोशनी लगभग 100 प्रतिशत ख़त्म हो चुकी है और वह पूरी तरह से दृष्टिहीन हो चुका है। साथ ही उसकी बायपास सर्जरी भी हो चुकी है। इसी ख़राब शारीरिक स्थिति को आधार बनाते हुए अदालत ने उसे मानवीय आधार पर रिहा करने का आदेश दिया था। इसके अलावा साल 2023 में गुजरात दंगों से ही जुड़े नरोदा गाम नरसंहार मामले में भी कोर्ट ने बाबू बजरंगी सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया था। नरोदा पाटिया मामले में उसकी दोष सिद्धि बरक़रार है, लेकिन वह जेल से बाहर अपनी ज़मानत की अवधि पर है। आज देश की धर्मनिरपेक्षता व संविधान का सम्मान करने वाला देश का एक बड़ा वर्ग भले ही स्वतंत्र की बातों व उसके दुस्साहस का विरोध क्यों न कर रहा हो पांच इसके बावजूद भी चंद लोगों का समूह उसके समर्थन में भी नज़र आया। इस नफ़रती गिरोह को आख़िर खाद पानी कहाँ से मिलता है ? यही वह दिमाग़ी नफ़रती के संरक्षक हैं जिन्होंने समय समय पर कभी माया कोडनानी को तो कभी बाबू बजरंगी को कभी जयदीप पटेल तो कभी प्रह्लाद गोसा व दयाभाई पटेल जैसे गुजरात दंगों के 67 प्रमुख आरोपी सत्ता के सहारे बचाए गए। यही वह नफ़रती तंत्र है जिसकी वजह से एहसान जाफ़री को ज़िंदा जला देने वाले बिपिन पटेल और पुलिस निरीक्षक के जी एर्दा आदि सब बाइज़्ज़त बरी हो गए। इसी के द्वारा बेस्ट बेकरी काण्ड में 14 मासूमों को जलाकर खाक कर देने वाले सभी बरी हो गए थे। इसी नफ़रती तंत्र ने बिल्किस बानो के 11 सज़ायाफ़्ता बलात्कारी रिहा कर दिए थे जिसे भारी जनाक्रोश के बाद सुप्रीम कोर्ट ने पुनः जेल भेजा। दरअसल देश की सामाजिक एकता व सद्भाव को तहस नहस करने वाले सत्ता संरक्षित यही भारतीय दक्षिणपंथी हैं।

सपनों की कीमत कौन तय करेगा?

समाज मे शुद्धीकरण की राजनीति कब तक?

समाज में बदलाव एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। समय के साथ विचार बदलते है, मान्यताएं बदलती है और सामाजिक संबंध भी नए रूप लेते है। कोई समाज तभी जीवंत माना जाता है, जब वह अपने भीतर सुधार की गुंजाइश रखता हो। लेकिन जब सुधार और बदलाव की प्रक्रिया को शुद्ध और अशुद्ध की कसौटी पर परखा जाने लगे, तब मामला केवल सामाजिक सोच का नहीं रह जाता। तब यह सवाल लोकतंत्र, संविधान और सामाजिक सद्भाव से जुड़ जाता है। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के उत्तराखंड के हल्द्वानी में एक कार्यक्रम के बाद कथित रूप से शुद्धीकरण किए जाने की घटना इसी गंभीर प्रवृत्ति की ओर संकेत करती है। किसी राजनीतिक नेता की उपस्थिति के बाद किसी स्थान का शुद्धीकरण किया जाना केवल एक धार्मिक या व्यक्तिगत आस्था का विषय मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, खासकर तब जब ऐसा कदम सार्वजनिक और राजनीतिक संदर्भ में उठाया गया हो। लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक है, लेकिन राजनीतिक असहमति को सामाजिक या धार्मिक शुद्ध-अशुद्ध की भाषा में बदल देना निश्चित रूप से चिंता का विषय है।

सवाल यह नहीं है कि किसी व्यक्ति को किसी धार्मिक परंपरा में विश्वास करने का अधिकार है या नहीं। उसे पूरा अधिकार है। सवाल यह है कि क्या किसी राजनीतिक विरोधी की मौजूदगी को ही किसी स्थान या समाज को अशुद्ध कर देने वाला मानना लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप है? यदि राजनीति मे असहमति का जवाब तर्क के बजाय शुद्धीकरण से दिया जाने लगे तो यह स्वस्थ लोकतांत्रिक परंपरा के लिए शुभ संकेत नहीं है।

भारत जैसे विविधतापूर्ण देश मे इस प्रकार की मानसिकता विशेष रूप से खतरनाक हो सकती है। भारत की पहचान किसी एक धर्म, भाषा, जाति, संस्कृति या विचारधारा से नहीं बनी है। इसकी शक्ति इसकी विविधता में है। अलग-अलग आस्थाओं, परंपराओं, भाषाओं और जीवन-पद्धतियों के लोग सदियों से एक साथ रहते आए हैं। यही भारतीय समाज की सबसे बड़ी विशेषता है।

इसीलिए शुद्धीकरण जैसे शब्दों का राजनीतिक इस्तेमाल हमें सावधान करता है। जब किसी व्यक्ति, समुदाय या विचारधारा को श्रेष्ठ और दूसरे को निम्न मानने की प्रवृत्ति मजबूत होती है, तब समाज में दूरी बढ़ती है। शुरुआत प्रतीकों और शब्दों से होती है, लेकिन धीरे-धीरे यह सामाजिक व्यवहार में उतर सकती है। एक वर्ग दूसरे वर्ग को संदेह की नजर से देखने लगता है और नागरिकों की साझा पहचान पीछे छूटने लगती है।यहां सामाजिक सुधार और सामाजिक शुद्धीकरण के बीच अंतर समझना जरूरी है। कुरीतियों, भेदभाव और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना सामाजिक सुधार है। शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और समानता को बढ़ावा देना सुधार है। लेकिन किसी व्यक्ति या समुदाय को उसकी पहचान के आधार पर शुद्ध अथवा अशुद्ध मानना सुधार नहीं, बल्कि सामाजिक विभाजन की शुरुआत हो सकता है।राजनीति में पहचान का इस्तेमाल नया नहीं है। चुनावों के दौरान जाति, धर्म, क्षेत्र, भाषा और सांस्कृतिक पहचान से जुड़े मुद्दे अक्सर भावनात्मक रूप ले लेते हैं। राजनीतिक दलों के लिए ऐसे मुद्दे तत्काल समर्थन जुटाने का आसान माध्यम हो सकते हैं। मगर सवाल यह है कि चुनावी लाभ के लिए समाज में पैदा की गई दूरी का मूल्य कौन चुकाता है? जवाब है—पूरा समाज रोजगार की तलाश कर रहा युवा, महंगाई से परेशान परिवार, बेहतर शिक्षा की उम्मीद कर रहे विद्यार्थी, स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे नागरिक और अपनी उपज के उचित मूल्य की प्रतीक्षा कर रहा किसान—इन सभी की समस्याओं का धर्म या जाति नहीं होती। बेरोजगारी किसी एक समुदाय की समस्या नहीं है। महंगाई किसी एक वर्ग को ही प्रभावित नहीं करती। खराब स्वास्थ्य व्यवस्था का दर्द हर नागरिक महसूस करता है। फिर राजनीति का केंद्र नागरिकों की वास्तविक समस्याओं के बजाय पहचान की शुद्धता क्यों बनने लगे?

सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मों से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे।

इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते है कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शास्त्र एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रोतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निर्देशानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, भाद्रपद कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय, पूर्वे शुक्रोदय, पश्चिमी तिथि, चतुर्दशी, गुरुवार, मघा नक्षत्रे, सिद्ध योगे, शकुनि करणे, सिंह की चंद्रमा, श्राद्ध अमावस्या, मूल समाप्त दिन के 2/34 या 26/04 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृति वाला, रोगी-भोगी, धनीमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक होगा।

मेष राशि :- अधिकारियों के तनाव से बचकर चलें तथा अपना कार्य पूर्ण करें, निश्चय लाभ होगा।
वृष राशि :- इष्ट-मित्र सुखवर्धक होंगे, हर्ष-उल्लास का अवसर हाथ से न जाने दें सतर्कता अवश्य रखें।
मिथुन राशि :- मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्य-कुशलता से संतोष होगा तथा व्यवसायिक गति उत्तम होगी।
कर्क राशि :- कुटुम्ब की समस्यायें सुलझे तथा कार्य-व्यवस्था अनुकूल होगी, रुके कार्य बन ही जायेंगे।
सिंह राशि :- शुभ सूचना से हर्ष-उल्लास रहे, दैनिक-कार्यगति अनुकूल होगी, रुके कार्य बना लें।
कन्या राशि :- विरोधी तत्वों से चिन्ता बनी रहेगी, कार्यवृति में सुधार होगा, समय का ध्यान रखें।
तुला राशि :- आर्थिक योजना सफल हो, सोचे कार्य समय पर पूर्ण होंगे किन्तु समय का ध्यान अवश्य रखें।
वृश्चिक राशि :- मान-प्रतिष्ठा पर आंच आने का भय, कार्यगति में बाधा आयेगी, कष्ट से बचें।
धनु राशि :- पराक्रम, मनोबल उत्साहवर्धक होगा, दैनिक कार्यगति में सुधार अवश्य होगा।
मकर राशि :- सामर्थ्य रखने के लिये धैर्य से कार्य करें, स्वभाव में क्रोध तथा आवेश से हानि होगी।
कुंभ राशि :- दैनिक कार्यगति अनुकूल होगी, इष्ट-मित्र सहायक बने ही रहेंगे, समय का ध्यान रखें।
मीन राशि :- विघटनकारी तत्व परेशान करेंगे, अर्थ-व्यवस्था में बाधा तथा कार्य-अवरोध अवश्य होगा।

हनीट्रैप के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल कर रही है आइएसआइ

पड़ोसी दुश्मन देशों की खुफिया एजेंसियां सोशल मीडिया के जरिए भारतीय सुरक्षा बलों और रक्षा संस्थानों के अधिकारियों को हनी ट्रैप में फंसाकर संवेदनशील जानकारियां जुटा रही हैं। सीमा पार से जारी छद्म युद्ध अब केवल गोलियों और बमों तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह डिजिटल स्पेस और मानव मन के सूक्ष्म पहलुओं तक फैल चुका है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में सेंध लगाने के लिए अब एक नए और अत्यंत खतरनाक हथियार प्रशिक्षित मनोवैज्ञानिकों द्वारा संचालित डिजिटल हनी-ट्रैप का इस्तेमाल कर रही है। भारत के खिलाफ पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियां लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय रही हैं। समय के साथ उसके तौर-तरीके भी बदल रहे हैं। पहले जासूसी के लिए धन, लालच, दबाव और धमकी जैसे हथकंडों का इस्तेमाल अधिक होता था लेकिन आईएसआई अब संवेदनशील पदों पर बैठे अधिकारियों की पहचान कर उनकी मानसिक और भावनात्मक कमजोरियों का अध्ययन करने के लिए प्रशिक्षित लोगों की सहायता ले रही है। महिलाओं के नाम से फर्जी सोशल मीडिया खाते बनाकर पहले संपर्क स्थापित किया जाता है और धीरे-धीरे भरोसे का रिश्ता तैयार किया जाता है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस नए जाल में सीधे पैसे का लालच देना जरूरी नहीं रह गया है। किसी अधिकारी की निजी परेशानी, अकेलापन, वैवाहिक तनाव, कार्यस्थल की नाराजगी या भावनात्मक असंतोष को हथियार बनाया जा सकता है। यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर अपनी निराशा, तनाव या निजी समस्याओं को लगातार साझा करता है तो वह अनजाने में अपने बारे में ऐसी सूचनाएं सार्वजनिक कर देता है, जिनका इस्तेमाल उसे प्रभावित करने में किया जा सकता है। कभी किसी एप्लिकेशन को मोबाइल या कंप्यूटर में इंस्टॉल करने को कहा जाता है। संदिग्ध ऐप और सॉफ्टवेयर इस जासूसी तंत्र का दूसरा बड़ा हथियार हैं। भारत में पहले भी रक्षा और संवेदनशील संस्थानों से जुड़े व्यक्तियों के हनी ट्रैप में फंसने के आरोप सामने आते रहे हैं। डीआरडीओ के पूर्व वैज्ञानिक प्रदीप कुरुलकर से जुड़ा मामला विशेष रूप से चर्चा में रहा था।

हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर को पाकिस्तानी खुफिया ऑपरेटिव द्वारा रचे गए ऐसे ही एक डिजिटल हनी ट्रैप जाल में गोपनीय जानकारी साझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। हनी ट्रैप और जासूसी का नया तरीकाफर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल- दुश्मन देश के हैंडलर्स महिलाओं या आकर्षक नामों से फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर फर्जी आईडी बनाकर अधिकारियों से दोस्ती करते हैं। बातचीत, चैट और वीडियो कॉल के जरिए पहले विश्वास जीता जाता है, फिर निजी पलों या तस्वीरों के बहाने ब्लैकमेल या प्रलोभन का खेल शुरू होता है।जासूसी के मामलों में कई बार अधिकारियों के फोन में रिमोट एक्सेस मैलवेयर या स्पाईवेयर तक इंस्टॉल करवाने की कोशिश की जाती है ताकि गुप्त डेटा स्वतः ट्रांसफर होता रहे। ऐसे मामलों में पकड़े जाने पर आरोपियों के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत गंभीर मुकदमे दर्ज किए जाते हैं।

दिल्ली पुलिस ने भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर को कथित पाकिस्तानी हनी ट्रैप मामले में गिरफ्तार किया है। वायुसेना से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद अधिकारी के खिलाफ आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है।

पुलिस के अनुसार, मामले की शुरुआत सोशल मीडिया के जरिए हुई एक कथित दोस्ती से हुई। एक महिला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से विंग कमांडर से संपर्क किया। बातचीत आगे बढ़ने के साथ दोनों के बीच चैट और वीडियो कॉल के जरिए लगातार संपर्क होने लगा। जांच एजेंसियों का आरोप है कि महिला ने धीरे-धीरे अधिकारी का विश्वास हासिल किया और इसके बाद उससे सैन्य गतिविधियों तथा रक्षा प्रतिष्ठानों से जुड़ी संवेदनशील जानकारी मांगनी शुरू कर दी।

दिल्ली पुलिस को यह मामला भारतीय वायुसेना की खुफिया शाखा से मिली विशिष्ट जानकारी के आधार पर सामने आया। पुलिस ने विंग कमांडर को 30 मई की रात गिरफ्तार किया। जांच के दौरान उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, डिजिटल बातचीत और अन्य संभावित साक्ष्यों की पड़ताल की गई। पुलिस ने 7 जुलाई को जांच पूरी करने के बाद अदालत में आरोपपत्र भी दाखिल कर दिया है।

भारतीय सेना, रक्षा अनुसंधान संगठन और संवेदनशील सरकारी विभागों की सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करने के लिए पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी आई. एस. आई. द्वारा हनी ट्रैप के हथकंडे का लगातार इस्तेमाल किया जा रहा है।

इसके लिए पाकिस्तानी महिला एजेंट भारतीय सेना के चंद अधिकारियों तथा आम लोगों को बोगस नामों से वीडियो काल करके अश्लील हरकतों द्वारा उन्हें भी ऐसा ही करने के लिए उकसाती है और सोशल मीडिया के जरिए उनके रूप जाल में फंस कर ये लोग भारतीय सेना की महत्वपूर्ण जानकारियां उन्हें देकर देश से गद्दारी कर रहे हैं जिनकी इसी वर्ष कई मामले सामने आए है 4 जनवरी को अम्बाला (हरियाणा) में हनी ट्रैप का शिकार होकर भारतीय सेना की यूनिटों की लोकेशन, मूवमेंट और तैनाती से जुड़ी गुप्त जानकारी पाकिस्तान भेजने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया गया। उसके मोबाइल से व्हाट्सएप चैट व वायस काल से जुड़े महत्वपूर्ण प्रमाण मिले।11 मार्च को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) में स्वयं को कीर्ति कुमारी बताने वाली एक पाकिस्तानी महिला एजेंट द्वारा हनी ट्रैप में फंसाए गए भारतीय वायुसेना के लांस नायक आदर्श कुमार उर्फ लक्की को युद्धपोत आई. एन. एस. विक्रांत तथा आई. एन. एस. इक्षक की फोटो व अन्य जानकारी भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

इससे पूर्व इसी पाकिस्तानी एजेंट ने गोवा में नौसेना के शिपयार्ड पर पार्ट टाइम नौकरी करने वाले राम सिंह को अपने रूप जाल में फंसाकर उससे शिपयार्ड पर आने वाले युद्धपोतों के फोटो व अन्य जानकारियां प्राप्त की थीं।

22 मार्च को चाबुआ (असम) में हनी ट्रैप में फंसे भारतीय वायुसेना स्टेशन के मल्टी-टास्कर्स स्टाफ के सदस्य सुमित कुमार को पाकिस्तान के लिए जासूसी करने और संवेदनशील रक्षा जानकारी सांझा करने के आरोप में राजस्थान इंटैलीजेंस और वायुसेना इंटैलीजैंस ने मिलकर गिरफ्तार किया।पाकिस्तानी हैंडलर्स ने सुमित कुमार को हनी ट्रैप में फंसा कर और पैसों का लालच देकर सुखोई फाइटर जैट्स, मिसाइल सिस्टम और सैन्य ठिकानों की संवेदनशील लोकेशनों की जानकारी पाने के लिए इस्तेमाल किया था। 1 जून को जम्मू-कश्मीर पुलिस तथा सेना के एक संयुक्त अभियान के दौरान जम्मू जिले के सतवारी इलाके से एक युवक को पाकिस्तान की एक महिला एजेंट को प्रतिरक्षा संस्थानों के फोटो सांझा करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के अनुसार उसे एक महिला ने स्वयं को सुंदरबनी में तैनात बी.एस.एफ. की कर्मचारी बता कर अपने जाल में फंसाया। जांच में पुष्टि हुई कि उक्त युवक ने चंद रुपयों के बदले में उसे फोटो भेजे थे।

फिल्म वर्ग पहेली- 7320

ऊपर से नीचे:-

१. नसीर, शाहरुख, रीनाराय की फिल्म-३
२. 'एक लड़की हो गई राजी' गीत वाली राहुल राय, शीबा की फिल्म-३
३. जीतेंद्र, विश्वजीत, मुमताज की 'हमें तुमसे तुम्हें हमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'एक हसीना थी एक' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
५. किशोरकुमार, माला की 'प्यार का वहाँ हो खेला सा' गीत वाली फिल्म-४
६. 'बेदर्दी बालमा तुझको मेरा मन' गीत वाली फिल्म-३
८. राज बब्बर, रणबीर कपूर, डिम्पल की 'जीने दे ये दुनिया' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'अली अली मैं जोगन बन गई' गीत वाली अमिषा पटेल, मीरा की फिल्म-३
१२. सुनीलदत्त, रेखा की 'हाय मेरी मजबूर जवानी' गीत वाली फिल्म-२,३
१४. 'उंगली में अंगूठी' गीत वाली सनी, अनिल कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३,४
१६. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अवतार कश्यप निर्देशित फिल्म-४
१७. 'सारे जगत का इक' गीत वाली अमिताभ, हेमा मालिनी की फिल्म-३
२५. राजेश खन्ना, पूनम ढिल्लों की 'ऐसी हसीन चांदनी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'तू सामने जब आता है' गीत वाली फिल्म-३
२८. फिल्म 'मेहबूबा' में नायिका कौन थी-२
२९. रितिक रोशन, करिश्मा की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
३. किरणकुमार, राधा सलूजा की 'दिल का नजराना ले लो' गीत वाली फिल्म-३
६. 'आजा रे अब मेरा दिल पुकारा' गीत वाली राज कपूर, नर्गिस की फिल्म-२
७. राजेंद्रकुमार, शर्मिला की 'खाई है हमने कसम संग रहने' गीत वाली फिल्म-३
९. करण दीवान, स्वर्णलता की सुपरहिट फिल्म-३
११. गुरुदत्त, वहीदा की फिल्म-२
१२. फिल्म 'जीत' में सलमान का नाम-२
१३. अजय, सोनाली की 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करणनाथ, मनीषा, सताब्या सिंह की फिल्म-२
१६. सनी देओल, सुष्मिता की 'मैं अपना नाम भूला' गीत वाली फिल्म-२
१८. अजय, आफताब, विवेक, शिरा, रामा, अमृतराव की फिल्म-२
१९. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२०. सचिन खेडेकर, तब्बू, स्मिता की अंडरवर्ल्ड पर बनी एक फिल्म-३
२१. 'फूलों से जो खुशबू आए' गीत वाली प्रशांत, ऐश्वर्या की फिल्म-३
२२. अक्षयकुमार, करीना की 'क्यूं अंजाना हमारा मिल जा' गीत वाली फिल्म-२
२३. राजकुमार, शशि, साधना की फिल्म-२
२४. 'परदेसी तो हैं' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'दिल मेरे ना और इंतजार कर' गीत वाली शाहिद, करीना की फिल्म-२
३०. फिल्म 'रंगदे बसंती' के संगीतकार कौन थे?-४
३१. 'दिल है छोटा सा छोटी सी आशा' गीत वाली फिल्म-२
३२. अभिषेक, उदय, जॉन, ईशा, रिमी सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7319

Jagrutidaur.com, Bangalore

यादाश्त के लिए मिलनसार स्वभाव और प्रेम के रिश्ते

शिकागो। वैज्ञानिकों के एक शोध में सामने आया है कि उम्र बढ़ने के बावजूद कुछ लोगों की याददाश्त काफी तेज बनी रहती है। ऐसे लोगों में मिलनसार स्वभाव और मजबूत सामाजिक रिश्ते अहम भूमिका निभाते हैं। शोधकर्ताओं ने 80 वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे लोगों का अध्ययन किया, जिनकी याददाश्त उनकी उम्र के मुकाबले काफी बेहतर पाई गई। अध्ययन के अनुसार, इन लोगों का व्यवहार मिलनसार था और वे परिवार व दोस्तों के साथ मजबूत रिश्ते बनाए रखते थे। विशेषज्ञों का मानना है कि सामाजिक रूप से सक्रिय रहने से दिमाग की कार्यक्षमता पर उम्र का असर कम हो सकता है।

वसीम अकरम ने इमरान खान की सेहत पर चिंता जताई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के महान तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने जेल में बंद टीम के अपने साथी खिलाड़ी और पूर्व कप्तान इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि इस मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान के बहुत कम दिग्गज क्रिकेटरों ने 1992 विश्व कप विजेता कप्तान इमरान के समर्थन में खुलकर आवाज उठाई है। भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद इमरान 2022 से जेल में हैं। वह हालांकि अपने ऊपर लगे आरोपों से इनकार करते रहे हैं। पूर्व कप्तान अकरम ने एक बयान में कहा कि मैंने तीन साल से उनसे बात नहीं की है। उनके साथ राजनीतिक तौर पर जो हो रहा है, वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

अमेरिकी सेना ने नार्को-आतंकियों का रिफ्यूलिंग जहाज समुद्र में डुबोया

वाशिंगटन। अमेरिका ने पूर्वी प्रशांत महासागर में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान तेज कर कुख्यात नार्को-आतंकी संगठन 'लॉस चोनेरोस' से जुड़े एक तैरते रिफ्यूलिंग और सप्लाई जहाज को समुद्र में डुबो दिया है। यह कार्रवाई अमेरिकी साउथ कमांड के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर ने 7 सितंबर को की थी। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक खुफिया जानकारी के आधार पर पता चला था कि यह पोत खुले समुद्र में सक्रिय ड्रग तस्करों के जहाजों को ईंधन और अन्य जरूरी सामान उपलब्ध करा रहा था।

मिसाइल हमलों और तेल टैंकरों पर कार्रवाई से गहराया संकट

तेहरान। मध्य पूर्व में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। हाल ही में, अमेरिकी रक्षा सूत्रों के अनुसार ईरान ने अमेरिकी नौसेना के एक युद्धपोत पर दो बार बैलिस्टिक मिसाइल हमला करने का प्रयास किया, जिसे अमेरिकी युद्धपोत ने सफलतापूर्वक विफल कर दिया, और किसी अमेरिकी सैनिक को नुकसान नहीं हुआ। इसके जवाब में, अमेरिकी सेना ने ईरान के पांच कच्चे तेल ले जाने वाले टैंकरों को नष्ट करने का दावा किया, जिनमें चार ओमान की खाड़ी में और एक फारस की खाड़ी में खार्ग द्वीप के पास था।

सऊदी पर हूतियों के हमले में 73 लोग घायल

सहयोगी देशों की रणनीति पर उठे सवाल

-हूतियों के खिलाफ सीधे सैन्य अभियान में उतरना पाकिस्तान के लिए आसान नहीं

रियाद। यमन के अल-हज्म शहर में स्थित एक जेल पर हुए हमले का बदला लेने के दावे के साथ हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर बड़ा हमला किया है। इन हमलों में 73 लोगों के घायल होने की खबर है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। सऊदी अरब के अहम बुनियादी ढांचों को निशाना बनाए जाने के बाद देश की सुरक्षा व्यवस्था और रियाद के सहयोगी देशों की रणनीति को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

इस घटनाक्रम ने सऊदी अरब में मौजूद अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय सैन्य बलों को भी सतर्क कर दिया गया है।

इससे संघर्ष का दायरा केवल सऊदी अरब और यमन तक सीमित रहने के बजाय बड़ा रूप लेने की आशंका बढ़ गई है। इस पूरे घटनाक्रम में पाकिस्तान की भूमिका भी अहम हो गई है। पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किए के बीच हुए म्युचुअल रक्षा समझौते के तहत किसी एक सदस्य देश पर हमला होने की स्थिति में अन्य सदस्य देशों की सुरक्षा प्रतिबद्धताएं अहम हो जाती हैं। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बयानों से संकेत मिलता है कि सऊदी अरब की ओर से सैन्य सहायता का अनुरोध किए जाने पर इस्लामाबाद के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं से पीछे हटना आसान नहीं होगा। लाल सागर में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर भी पाकिस्तान ने जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग की चेतावनी दी है। सैन्य क्षमता की तुलना करें तो पाकिस्तान और हूती विद्रोहियों के बीच बड़ा अंतर है।

पाकिस्तान एक परमाणु शक्ति संपन्न देश है और उसके पास संगठित थल सेना, वायुसेना और नौसेना के साथ आधुनिक लड़ाकू विमान तथा मिसाइल प्रणालियां हैं। इसके विपरीत हूती एक गैर-राज्य सशस्त्र संगठन है, जिसके पास पारंपरिक अर्थों में पूर्ण वायुसेना या नौसेना नहीं है। इसके बावजूद हूतियों की सैन्य क्षमता को नजरअंदाज करना पाकिस्तान या सऊदी अरब के लिए जोखिम भरा हो सकता है।हूती विद्रोही लंबे समय से असममित युद्ध और गुरिल्ला रणनीति का इस्तेमाल करते रहे हैं। यमन के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में उनकी मजबूत पकड़ है। उनके पास ड्रोन, बैलिस्टिक मिसाइल और एंटी-शिप मिसाइल जैसी क्षमताएं हैं। इनके जरिए से वे लाल सागर के अहम समुद्री मार्गों और क्षेत्र में स्थित तेल एवं अन्य रणनीतिक प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने की क्षमता रखते हैं। उनकी रणनीति आमने-सामने की पारंपरिक लड़ाई के बजाय अचानक और दूर से किए जाने वाले हमलों पर आधारित रही है। भौगोलिक दूरी को देखते हुए पाकिस्तान द्वारा यमन में बड़े पैमाने पर थल सेना भेजने की संभावना कम मानी जाती है। हालांकि सऊदी अरब की सुरक्षा व्यवस्था में पाकिस्तान की सैन्य मौजूदगी पहले से है।

ट्रंप और पुतिन के बीच एक घंटे तक चली फोन पर बातचीत

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच मंगलवार को करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। यह उच्च स्तरीय वार्ता ऐसे महत्वपूर्ण समय में हुई है जब अमेरिका रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों को तेज कर रहा है। दोनों नेताओं के बीच चर्चा का मुख्य केंद्र यूक्रेन युद्ध और हाल ही में अमेरिकी अधिकारियों की मॉस्को व कीव यात्राएं रहीं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने हाल ही में मॉस्को और कीव का दौरा किया था, जिसे ट्रंप प्रशासन की रूस-यूक्रेन के बीच शांति समझौते की दिशा में एक नई पहल के तौर पर देखा जा रहा है। क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने इस बातचीत को बेहद साफ और खुली चर्चा बताया। उन्होंने कहा कि पुतिन और ट्रंप ने अमेरिकी दूतों की यात्राओं के नतीजों पर अपने विचार साझा किए। पुतिन ने ट्रंप को यूक्रेन के मोर्चों पर मौजूदा हालात के बारे में विस्तार से बताया और इस बात पर भी चर्चा की कि युद्ध को जल्द समाप्त कराने में अमेरिका की ओर से वास्तव में क्या ठोस कदम उठाए जा सकते हैं। रूस लगातार युद्ध के मैदान में अपनी स्थिति को मजबूत बताता रहा है और मॉस्को का दावा है कि उसकी सेना विभिन्न मोर्चों पर आगे बढ़ रही है तथा युद्ध में उसके सैन्य लक्ष्य अब भी पहले की तरह कायम हैं।

फोन पर हुई बातचीत के दौरान पुतिन ने यूरोप को लेकर रूस की स्थिति भी स्पष्ट की। उशाकोव के अनुसार, रूसी राष्ट्रपति ने ट्रंप से कहा कि रूस की यूरोपीय देशों के खिलाफ कोई आक्रामक योजना नहीं है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब यूरोपीय देशों में रूस की संभावित गतिविधियों और यूक्रेन का समर्थन करने वाले देशों के खिलाफ कथित तोड़फोड़ अभियान को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। मॉस्को ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

रूस लंबे समय से यूरोप और पश्चिमी देशों के उन आरोपों को खारिज करता रहा है, जिनमें उस पर पड़ोसी देशों और नाटो सदस्यों के खिलाफ भविष्य में सैन्य कार्रवाई की आशंका जताई जाती है। इस बीच, अमेरिका और रूस के बीच उच्चस्तरीय संपर्क बढ़ने से यूक्रेन युद्ध को लेकर कूटनीतिक गतिविधियां तेज होती दिखाई दे रही हैं।

ब्रिटेन में 300 से ज़्यादा फ्लाइट्स रद्द, यात्रियों के लिए भारी मुसीबत

लंदन। ब्रिटेन में हवाई यात्रियों को जबरदस्त परेशानी का सामना करना पड़ा, जब एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रोवाइडर नैट्स में तकनीकी समस्या के कारण 300 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। हीथ्रो, गैटविक, मैनचेस्टर और स्टैनस्टेड जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर उड़ानों के रद्द होने और देरी का व्यापक असर देखा गया, जिससे लाखों यात्री प्रभावित हुए। नैट्स ने एक बयान जारी कर बताया कि समस्या उनके फ्लाइट प्रोसेसिंग सिस्टम में थी। उन्होंने यात्रियों से हुई असुविधा के लिए ईमानदारी से माफी मांगते हुए कहा कि उनके इंजीनियर साइट पर सामान्य संचालन बहाल करने के लिए काम कर रहे हैं। नैट्स ने यह भी स्पष्ट किया कि हवाई क्षेत्र खुला है और उड़ानें अभी भी संचालित हो रही हैं, हालांकि व्यवधानों में सुधार में कुछ समय लगेगा। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार 24 के अनुसार, इस तकनीकी खराबी के चलते लंदन फ्लाइट जानकारी क्षेत्र के सभी हवाई अड्डों पर आने-जाने वाली उड़ानों पर कड़े नियंत्रण लगा दिए गए। इस समस्या का असर केवल ब्रिटेन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आयरलैंड के डबलिन हवाई अड्डे पर भी आने और जाने वाली उड़ानों में भारी व्यवधान देखने को मिले। लंदन ल्यूटन, बर्मिंघम, एबरडीन और ग्लासगो सहित कई अन्य हवाई अड्डों पर भी देरी या रद्द होने की खबरें मिलीं। ब्रिटिश एयरवेज ने पुष्टि की कि उनकी उड़ानें भी इस तकनीकी समस्या से प्रभावित हुई हैं, जिसे उन्होंने अपने नियंत्रण से बाहर बताया। एयरलाइन ने कहा कि उनकी टीमें यात्रियों को जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं।हालांकि, नैट्स ने बाद में एक बयान में कहा कि समस्या का समाधान कर दिया गया है और उनकी उड़ान प्रणाली धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। उन्होंने सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए विमानन कंपनियों और हवाई अड्डों के साथ मिलकर काम करने की बात कही। इसके बावजूद, इस व्यवधान का असर कई घंटों तक रहने और बुधवार तक भी जारी रहने की उम्मीद है। कई विमानों को दूसरे यूरोपीय देशों में वैकल्पिक हवाई अड्डों की ओर मोड़ना पड़ा, जिससे यात्रियों की मुसीबतें और बढ़ गईं।

होर्मुज में एक दिन में 10 जहाज हुए तबाह

पहले यूएस फिर ईरान ने किए हमले

तेहरान। खाड़ी क्षेत्र और विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट एक बार फिर जंग का अखाड़ा बन गया है, जहाँ एक दिन में कई जहाजों पर हमले और जवाबी कार्रवाई की खबरें सामने आई हैं। ईरान ने खाड़ी के दूसरे देशों में मौजूद तेल टैंकरों को चेतावनी दी है कि वे कुवैत, जॉर्डन और बहरीन के उन बंदरगाहों को तुरंत खाली कर दें जहाँ अमेरिकी सैन्य उपस्थिति है या जो अमेरिकी कार्रवाई में सहयोग कर रहे हैं। ईरानी सरकारी टीवी पर पढ़े गए बयान में कहा गया कि ऐसे टैंकरों को निशाना बनाया जाएगा, जिससे तनाव अभूतपूर्व स्तर पर पहुँच गया है।

यह चेतावनी अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) द्वारा पांच ईरानी क्रूड ऑयल कैरियर्स को नष्ट करने की जानकारी देने के बाद आई है। अमेरिका के मुताबिक, ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने पिछले दो दिनों में एक अमेरिकी नौसैनिक युद्धपोत को दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने की कोशिश की थी, हालांकि अमेरिकी युद्धपोत दोनों हमलों से बच गया और कोई अमेरिकी सैनिक हताहत नहीं हुआ। सेंटकॉम के अनुसार, एमटी कफाज, एमटी चारमीनार, एमटी होराइजन 1 और एमटी रीस्को को ओमान की खाड़ी में, जबकि एमटी दरिया को खार्ग द्वीप के पास निशाना बनाया गया था। अमेरिकी सेना ने हमले से पहले जहाजों के क्रू को उन्हें छोड़ने का निर्देश दिया था। इससे पहले 5 सितंबर को भी अमेरिका ने तीन ईरानी क्रूड ऑयल कैरियर्स को नष्ट करने का दावा किया था। सेंटकॉम के मुताबिक, यह कार्रवाई तब की गई जब आईआरजीसी ने एक अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर और गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर को निशाना बनाने की कोशिश की थी। अमेरिका का कहना है कि अमेरिकी युद्धपोतों के खिलाफ आईआरजीसी के सभी हमले नाकाम रहे हैं।

जिस गाजी की डींगें हांक रहे शहबाज, भारतीय नौसेना ने उसे समंदर में कर दिया था दफन

-पाकिस्तान नेवी डे पर पीएम ने इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश की

इस्लामाबाद। ऑपरेशन सिंदूर में पूरी दुनिया ने देखा कि भारत ने पाकिस्तान की कैसी हालत कर दी थी वह अमेरिका के आगे गिड़गिड़ाने लगा इसके बाद भारत ने रहम खाते हुए सीजफायर किया। कई बार मुंह की खा चुका पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आता है बार-बार हारने के बाद भी अपनी बड़ाई करता है। एक बार फिर पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ ने पाकिस्तान नेवी डे के मौके पर इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश की। शहबाज शरीफ ने एक्स पर एक बयान जारी किया है जिसमें उन्होंने 1965 के युद्ध के ऑपरेशन द्वारका और पनडुब्बी पीएनएस गाजी के शौर्य के पुल बांधे हैं, लेकिन पाकिस्तानी पीएम यह भूल गए कि जिस गाजी की वे डींगें हांक रहे हैं भारतीय नौसेना ने 1971 के युद्ध में उसे समंदर की गहराई में दफना कर दिया था। बता दें 1965 के युद्ध में पाकिस्तान नौसेना ने गुजरात के द्वारका में बने एक गैर-सैन्य रडार स्टेशन पर रात के अंधेरे में गोलाबारी की थी। सैन्य विशेषज्ञों के मुताबिक इस हमले का कोई बड़ा सामरिक या रणनीतिक प्रभाव नहीं पड़ा था और गुजरात के तटों को कोई भारी नुकसान नहीं हुआ था। इसके बावजूद पाकिस्तान इस मामूली घटना को दशकों से अपने काल्पनिक शौर्य का सबसे बड़ा प्रतीक बनाकर पेश करता आ रहा है। पाकिस्तान दावा करता है उसने भारतीय नौसेना के कई जहाजों को डुबो दिया था, लेकिन हकीकत ये है कि द्वारका में भारतीय नौसेना का ना उस वक्त कोई पोर्ट था और ना ही आज कोई पोर्ट है। एक पोर्ट है जो द्वारका शहर के बजाय वहां से करीब 30 किलोमीटर दूर ओखा नाम के बंदरगाह शहर में स्थित है।

कनाडा ने अमेरिकी सामान पर टैरिफ लगाकर छेड़ा ट्रेड वॉर

ओटावा। कनाडा और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंध अब तनावपूर्ण हो गए हैं, जब कनाडा ने अमेरिका से आयात होने वाले 600 से अधिक सामानों पर 50 फीसदी तक जवाबी टैरिफ लगा दिया है। यह कदम दोनों पड़ोसी देशों के बीच बढ़ते ट्रेड वॉर को दर्शाता है। कनाडा ने यह निर्णय ओटावा और वॉशिंगटन के बीच बातचीत के बेनतीजा रहने के बाद लिया है। नए टैरिफ 8 सितंबर को रात 12:01 बजे से प्रभावी हो गए, और इनके दायरे में 629 तरह के सामान शामिल हैं, जिनका अमेरिका से कनाडा में हर साल करीब 27.6 अरब कनाडाई डॉलर (लगभग 20 अरब अमेरिकी डॉलर) का आयात होता है।

इन टैरिफ की दरें 15 फीसदी से लेकर 50 फीसदी तक हैं, और इनके दायरे में स्टील, फर्नीचर, कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कई तरह के उत्पाद शामिल हैं। कनाडा ने शुरुआत में 874 तरह के सामान पर टैरिफ लगाने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन बाद में मछली और समुद्री खाद्य पदार्थों की 254 श्रेणियों को हटा दिया गया और 9 अन्य सामानों को इसमें शामिल किया गया। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने देश के कारोबारियों और आम लोगों से अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करने की अपील की है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में कहा, हमारे पास अपनी दिशा बदलने और आगे बढ़ने के लिए जरूरी सब कुछ मौजूद है। प्रधानमंत्री ने यह भी माना कि व्यापार के तौर-तरीकों में बदलाव की एक कीमत चुकानी होगी, लेकिन जोर देकर कहा कि हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने का नतीजा और भी बुरा होगा। कनाडा के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इन जवाबी टैरिफ का मकसद वॉशिंगटन पर आर्थिक और राजनीतिक दबाव बनाना है, और उम्मीद है कि इन उपायों से अमेरिका के मिशिगन और ओहियो जैसे प्रमुख औद्योगिक राज्यों के उद्योगों पर असर पड़ेगा।कनाडा के ये कठोर कदम पिछले महीने अमेरिका द्वारा कनाडा के लगभग 20 अरब डॉलर के सामान पर लगाए गए टैरिफ के जवाब में उठाए गए हैं। अमेरिका के इन शुल्कों का असर वाहन, फर्नीचर, डेयरी उत्पादों, सीमेंट, कपड़ों, फिशिंग रॉड और हॉकी के सामान जैसे उत्पादों पर पड़ा था। इस बढ़ते विवाद ने अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौते यानी यूएसएमसीए के भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो दशकों से उत्तरी अमेरिका की इन तीन अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार को बढ़ावा दे रहा है। आंकड़ों के अनुसार, कनाडा अपने कुल निर्यात का लगभग 68 प्रतिशत अमेरिका को भेजता है।

बाढ़ ने ग्यिरोंग लैंड पोर्ट को मलबे में किया तब्दील, रेल प्रोजेट बना चुनौती

-चीन-नेपाल लंबे समय से इस रेल मार्ग से जोड़ने की योजना पर कर रहे हैं काम

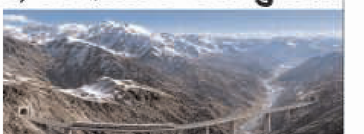

काठमांडू। नेपाल में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन का असर चीन-नेपाल सीमा तक पहुंच गया है। करीब 1800 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ग्यिरोंग लैंड पोर्ट बाढ़ के बाद मलबे के ढेर में तब्दील हो गया है। जहां पहले सड़कें, पुल और सीमा से जुड़ा बुनियादी ढांचा हुआ करता था, वहां अब मिट्टी और मलबा फैला है। नुकसान का जायजा लेने पहुंचे चीनी बचावकर्मियों ने इलाके की स्थिति को बेहद गंभीर बताया। बाढ़ के तेज बहाव ने सड़कों को क्षतिग्रस्त कर दिया और पुलों को भी भारी नुकसान पहुंचाया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ग्यिरोंग की इस तबाही ने चीन और नेपाल के बीच प्रस्तावित रेलवे परियोजना को लेकर भी नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। इस इलाके को चीन-नेपाल रेलवे संपर्क का अहम पड़ाव माना जाता है। प्राकृतिक आपदा ने एक बार फिर दिखा दिया है कि हिमालयी क्षेत्र में बड़े बुनियादी ढांचा प्रोजेक्ट तैयार करना और उन्हें सुरक्षित रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। चीन और नेपाल लंबे समय से दोनों देशों को रेल मार्ग से जोड़ने की योजना पर काम कर रहे हैं। प्रस्तावित रेल लाइन चीन के तिब्बत क्षेत्र के शिगात्से से शुरू होकर ल्हात्से, तिंगरी और न्यालम होते हुए ग्यिरोंग यानी केरुंग सीमा बंदरगाह तक पहुंचने की योजना है।

इसके बाद रेलवे लाइन नेपाल में प्रवेश कर काठमांडू के पास सांखु तक पहुंचाने का प्रस्ताव है। इस परियोजना का उद्देश्य दोनों देशों के बीच संपर्क और व्यापार को बढ़ाना है। नेपाल के लिए यह परियोजना चीन के साथ सीधा रेल संपर्क स्थापित करने के लिहाज से अहम मानी जाती है। वहीं चीन के लिए यह हिमालय के पार अपनी कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय आर्थिक पहुंच मजबूत करने का जरिया हो सकती है। हालांकि, ग्यिरोंग में बाढ़ से हुई तबाही ने इस महत्वाकांक्षी योजना के सामने प्राकृतिक आपदाओं से जुड़ी चुनौती को और गंभीर बना दिया है। केरुंग से काठमांडू के बीच प्रस्तावित रेल परियोजना की अनुमानित लागत करीब 5.5 अरब डॉलर यानी करीब 51 हजार करोड़ रुपए बताई जाती है।

गुजरात से फांस तक- स्वामीनारायण संप्रदाय के साथ जुड़े रहे विवाद

पेरिस। फ्रांस के प्रसिद्ध एफिल टावर में हाल ही में कर्मचारियों की हड़ताल के कारण तालाबंदी हुई। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि बीएपीएस स्वामीनारायण संप्रदाय के प्रमुख के दौरे से पहले प्रबंधन ने महिला कर्मचारियों को हटाने का निर्देश दिया था, इस उन्होंने गंभीर लैंगिक भेदभाव करार दिया। इस घटना ने फ्रांस में तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा कीं और कई विपक्षी नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की। हालांकि बीएपीएस की माफी के बाद टावर फिर से खुल गया, यह घटना संस्था पर लगे कई गंभीर आरोपों की श्रृंखला में एक नई कड़ी बन गई है।

गुजरात के बोचासण से उभरा बीएपीएस स्वामीनारायण संप्रदाय दुनिया के 52 देशों में अपने भव्य मंदिरों के निर्माण के लिए विख्यात है, जिसमें अमेरिका और यूरोपीय देश प्रमुख हैं। संप्रदाय की परंपरा के अनुसार, साधुओं के लिए महिलाओं की मौजूदगी वर्जित मानी जाती है। इसी नियम का हवाला देकर एफिल टावर के प्रबंधन ने महिला कर्मचारियों को साधुओं के मार्ग से दूर रहने को कहा, जिसने फ्रांसीसी गणतंत्र के प्रतीक पर महिलाओं के अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया।

यह पहली बार नहीं है जब बीएपीएस विवादों में घिरा हो। 2021 में, अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) ने न्यू जर्सी में इसके एक विशाल मंदिर पर छापा मारा था। आरोप लगे थे कि भारत से, विशेषकर दलित समुदाय के, मजदूरों को नकली धार्मिक वीजा पर अमेरिका लाया गया। उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए गए और उन्हें एक प्रतिबंधित परिसर में 13 घंटे तक काम करने के लिए मजबूर किया गया, जिसके लिए उन्हें प्रति घंटे करीब एक डॉलर ही मिलता था।

बांग्लादेश की धमकी कहा- हसीना को भारत से लाएंगे और फांसी देंगे

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को लेकर ढाका सरकार ने एक बार फिर बेहद कड़ा रुख दिखाया है। प्रधानमंत्री के सूचना और प्रसारण सलाहकार डॉ. जाहेद उर रहमान ने कहा कि सरकार शेख हसीना को भारत से वापस बांग्लादेश लाना चाहती है और उनके लौटने पर उन्हें मौत की सजा का सामना करना पड़ेगा। जाहेद ने कहा कि सरकार का भारत से प्रत्यर्पण की मांग करने के पीछे केवल नई दिल्ली पर दबाव बनाने की कोई रणनीति नहीं है। उनका कहना था कि सरकार का रुख सीधा है- हसीना या तो खुद बांग्लादेश लौटें या प्रत्यर्पण प्रक्रिया के जरिए वापस लाई जाएं।

जाहेद उर रहमान का यह बयान अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक मोहम्मद अमीनुल इस्लाम के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि शेख हसीना के पास मौत की सजा के खिलाफ अपील करने का कोई कानूनी मौका नहीं बचा है। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल कानून के तहत फैसले के 30 दिनों के भीतर अपील दायर करना जरूरी है। हसीना ने इस दौरान अपील दाखिल नहीं की, इसलिए समयसीमा समाप्त होने के बाद अब सामान्य प्रक्रिया के तहत अपील का रास्ता बंद हो गया है। शेख हसीना को 17 नवंबर 2025 को बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल ने 2024 के जुलाई-अगस्त छात्र आंदोलन के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों के मामले में अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई थी। अभियोजन पक्ष ने उन पर आंदोलन के दौरान हुई हिंसक कार्रवाई के लिए जिम्मेदारी तय की थी। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, उस दौरान करीब 1400 लोगों की मौत हुई थी। हसीना अगस्त 2024 में सत्ता से हटने के बाद भारत आ गई थीं और तब से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश ने फैसले के बाद भारत से उनका प्रत्यर्पण करने की मांग भी की थी। अब जाहेद उर रहमान ने कहा है कि बांग्लादेश सरकार हसीना की वापसी के मामले में पीछे हटने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य उन्हें केवल भारत से वापस लाना नहीं।

रंगसंसार

कंगना रनौत हुईं ट्रोल

आए दिन कुछ न कुछ ऐसा हो ही जाता है, जिसकी वजह से न चाहते हुए भी कंगना रनौत को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। अब फिर से कुछ ऐसा ही हुआ। कंगना ने मनाली स्थित अपने घर पर जन्माष्टमी के त्योहार के लिए खास भोग बनाते हुए एक वीडियो शेयर किया। एक्स (पहले ट्विटर) के एक यूज़र ने कमेंट किया कि कंगना ने भोग पकाने के लिए गैस ही नहीं जलाई थी। यूज़र ने यह भी कहा कि जिस बर्तन में वह खाना बना रही थीं, वह पहले से ही काला था। इस कमेंट का जवाब देते हुए, तनु वेड्स मनु की एक्ट्रेस ने यूज़र को कहा, यह हलवा नहीं, भोग है, इसमें कई चीजें अलग-अलग तैयार की जाती हैं और फिर इस स्टेज पर सब मिलाया जाता है, सेट होने और टुकड़ों में काटने से पहले। कंगना ने आगे कहा, जो लोग माता-पिता और धरती पर बोझ हैं, उनसे खाना पकाने की स्किल की उम्मीद नहीं की जा सकती। तुम सिर्फ खाने पर ध्यान दो, खाना पकाने की चिंता मत करो। इस बीच, कंगना की पोस्ट में उन्होंने बचपन में इसी किचन में त्योहार का भोग बनाने की कुछ प्यारी यादें ताज़ा कीं।

बच्चों को विदा कर भावुक हुईं फ़राह

फ़िल्ममेकर और कोरियोग्राफर फ़राह ख़ान उस समय भावुक हो गईं जब उनके तीनों बच्चे - दिवा, अन्या और ज़ार - कॉलेज की पढ़ाई के लिए अलग-अलग शहरों में रवाना हुए। यह पल किसी भी माता-पिता के लिए भावनाओं से भरा होता है, लेकिन एक साथ तीन बच्चों को विभिन्न शहरों में भेजने की चुनौती फ़राह के लिए और भी गहन थी। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस मिली-जुली भावनाओं वाले पल की झलकियाँ साझा करते हुए लिखा, अगर आपको लगता था कि अपने बच्चे को कॉलेज भेजना मुश्किल हैज् तो इसे 3 बार करके देखिए! 3 शहर, 3 कैंपसज् 3 बार विदाई! मेरे दिल के 3 टुकड़ेज् जाओ जी लो अपनी जिंदगीज् लेकिन याद रखना, सभी रास्ते वापस मम्मी-पापा के पास ही आते हैं। उन्होंने अपने पति शिरीष कुंदर का भी मज़ाकिया अंदाज़ में शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने फ़ैमिली फोटो में आने के अलावा बाकी सब कुछ किया। तस्वीरों में फ़राह अपने बेटे ज़ार को गले लगाती हुई दिखीं, जबकि बाकी तस्वीरों में उनके बच्चों के साथ उनके प्यारे और कैंडिड पल कैद थे। इस भावुक पल को बखूबी बयां करने के लिए उन्होंने अपनी पोस्ट में कभी अलविदा ना कहना गाना भी जोड़ा।

जैस्मीन भसीन ने तोड़ी चुप्पी

टीवी एक्ट्रेस जैस्मीन भसीन ने उन अटकलों पर प्रतिक्रिया दी है जिनमें कहा जा रहा था कि उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड अली गोनी के साथ रिश्ता खत्म कर लिया है। ये अफवाहें तब शुरू हुईं जब जैस्मीन ने अपने पहले टैटू के बारे में एक दिल को छू लेने वाली पोस्ट शेयर की, जिस पर लिखा था आई एम इनफ (मैं अपने आप में काफी हूं)। अब डिलीट हो चुकी उस पोस्ट में जैस्मीन ने बताया था कि यह टैटू खुद से किया गया उनका एक वादा था कि वे किसी और का प्यार और स्वीकार्यता पाने के लिए कभी भी खुद को नहीं छोड़ेंगी। कई यूजर्स को लगा कि यह जैस्मीन का एक छिपा हुआ इशारा था कि उनके और अली के बीच सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अब, जैस्मीन ने एक और सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए इन ब्रेकअप की अफवाहों को खारिज कर दिया है। बिग बॉस 14 की कंटेस्टेंट ने जोर देकर कहा कि उनकी पोस्ट को उनके रिश्ते के बारे में कोई छिपा हुआ मैसेज नहीं समझा जाना चाहिए। जैस्मीन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में लिखा, मेरी जिंदगी में हर चीज मेरे रिश्ते के बारे में कोई छिपा हुआ मैसेज नहीं होती।

रैना के भद्दे मज़ाकों पर भड़के कैलाश

गायक कैलाश खेर ने सार्वजनिक बातचीत में ज्यादा जागरूकता और शिष्टाचार की अपील की है। उन्होंने लोगों से चेतन और तमीज (विनम्र) रहने को कहा है, क्योंकि स्टैंड-अप कॉमेडी शो इंडियाज गॉट लेटेंट में बिहार और कश्मीर से जुड़े मज़ाकों की आलोचना हो रही है। हाल ही में खेर से कॉमेडियन समय रैना द्वारा कश्मीरी पंडितों और बिहारियों से जुड़े बयानों का मज़ाक उड़ाने और सोशल मीडिया पर स्टैंड-अप कॉमेडी को लेकर चल रही बहस के बारे में पूछा गया था। कैलाश खेर ने कहा, देखिए, अगर मैं संगीत के नज़रिए से बताऊं, तो संगीत सिर्फ एक धुन नहीं है, यह ऐसी चीज़ है जो आपको हंसा भी सकती है और यह अनुशासन का एक रूप भी है। इसलिए, आपको संगीत में बने रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अगर आपकी संगीत की धुन सही नहीं है, तो हो सकता है कि आप किसी का मज़ाक उड़ा बैठें। खेर ने व्यवहार और विनम्रता के महत्व पर जोर देते हुए कहा, इसलिए इंसान को चेतन रहना चाहिए, तमीज़ में रहना चाहिए और सबको तमीज़ से बात करनी चाहिए।

दैनिक पंचांग

10 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.19 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	08.29 बजे से
मंगल	मिथुन में	वृश्चिक	10.44 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	13.00 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	15.05 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.52 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.24 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.55 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	21.35 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		मिथुन	23.33 बजे से
		कर्क	01.47 बजे से
		सिंह	04.03 बजे से

गुरुवार 2026 वर्ष का 253 वां दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु वर्षा।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास भाद्रपद (दक्षिण भारत में श्रावण)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 10.34 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 14.05 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 19.18 बजे को समाप्त।
करण शकुनि 10.34 बजे तदनन्तर चतुष्पद 21.43 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.3 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 05° 01'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872828
जूलियन दिन 2461293.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रबि उलावल तारीख 27
विशेष पिठोरी अमावस्या।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

निर्देशक बनने के लिए चोपड़ा को झेलनी पड़ी थी पिता की नाराजगी

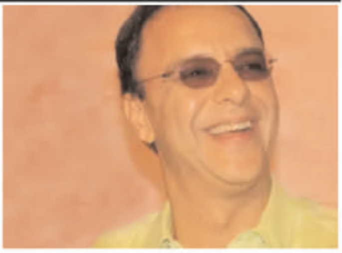

भारतीय सिनेमा के मशहूर फिल्मकार विधु विनोद चोपड़ा ने दर्शकों को कई यादगार कहानियां दी हैं। फिल्मकार ने च्परिंदाज्, च्1942ञ्ए लव स्टोरीज्, च्मिशन कश्मीरज्, च्मुन्नाभाई एमबीबीएसज्, च्3 इडियट्सज् और च्12वीं फेलज् जैसी कई सुपर हिट फिल्मे बनाई है जिसे दर्शक आज भी देखना पसंद करते हैं। हालांकि इस मुकाम तक पहुंचने का उनका सफर आसान नहीं था। निर्देशक बनने का सपना देखने पर उन्हें अपने पिता की नाराजगी तक झेलनी पड़ी थी। पिता का मानना था कि फिल्में बनाकर उनका भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया था कि जब उन्होंने पिता से कहा कि वह फिल्में बनाना चाहते हैं, तो उन्होंने उन्हें थप्पड़ मार दिया था। पिता ने उनसे कहा था कि फिल्में बनाकर वह भूखे मरेंगे और मुंबई में कैसे रहेंगे। परिवार के पास उन्हें फिल्म स्कूल भेजने के लिए पर्याप्त पैसे नहीं थे। ऐसे में चोपड़ा ने भारत सरकार की राष्ट्रीय छात्रवृत्ति हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की।

उन्होंने कश्मीर विश्वविद्यालय में अर्थशास्त्र ऑनर्स में शीर्ष स्थान हासिल किया और छात्रवृत्ति की राशि से पुणे के फिल्म संस्थान में दाखिला लिया। इसी दौरान उन्होंने लघु फिल्म च्मर्डर एट मंकी हिलज् बनाई, जिसे राष्ट्रीय पुरस्कार मिला। इसके बाद चोपड़ा ने च्एन एनकाउंटर विद फेसेसज् नाम की डॉक्यूमेंट्री बनाई, जो भारत के गरीब और बेसहारा बच्चों की जिंदगी पर आधारित थी। वर्ष 1979 में यह डॉक्यूमेंट्री ऑस्कर के लिए नामांकित हुई। चोपड़ा ने जब यह खबर अपने पिता को बताई तो वह बेहद खुश हुए और उन्हें गले लगा लिया। लेकिन इसके तुरंत बाद पिता ने उनसे पूछा कि इससे पैसे कितने मिलेंगे। चोपड़ा ने बताया कि ऑस्कर नामांकन के लिए उन्हें कोई रकम नहीं मिलने वाली थी। इस किस्से से साफ होता है कि पिता की नाराजगी के पीछे दरअसल बेटे के भविष्य और आर्थिक सुरक्षा की चिंता थी। इसके बाद विधु विनोद चोपड़ा ने फिल्म जगत में लगातार मेहनत की। च्सजाए मौतज् और च्खामोशज् के बाद 1989 में आई च्परिंदाज् ने उन्हें एक प्रभावशाली निर्देशक के रूप में स्थापित किया। इसके बाद च्1942ञ् ए लव स्टोरीज्, च्करीबज् और च्मिशन कश्मीरज् जैसी फिल्मों से उनकी पहचान और मजबूत हुई।

राजकुमार हिरानी के साथ च्मुन्नाभाई एमबीबीएसज्, च्लगे रहो मुन्नाभाईज् और च्3 इडियट्सज् जैसी फिल्मों ने बतौर निर्माता उनकी सफलता को नई ऊंचाई दी। उन्होंने च्पीकेज् और च्संजूज् जैसी फिल्मों का निर्माण भी किया। 2020 में च्शिकाराज् के जरिए उन्होंने कश्मीरी पंडितों के विस्थापन की कहानी पर्दे पर उतारी। वहीं 2023 में आई च्12वीं फेलज् को दर्शकों और समीक्षकों से व्यापक सराहना मिली। इस तरह संघर्ष से शुरू हुआ उनका सफर हिंदी सिनेमा के सफल और प्रभावशाली फिल्मकारों तक पहुंचा। मालूम हो कि श्रीनगर में जन्मे विधु विनोद चोपड़ा का बचपन कश्मीर में बीता। उन्होंने पुणे स्थित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से निर्देशन की पढ़ाई की।

पंजाब मुख्य न्यायाधीश की शपथ में नहीं पहुंचे, मुख्यमंत्री

पंजाब सरकार के मुख्यमंत्री भगवंतसिंह मान ने केंद्र सरकार और न्याय पालिका के खिलाफ खुला विद्रोह कर दिया है। बिना राज्य सरकार की सहमति से मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति पर पंजाब सरकार ने कैबिनेट में प्रस्ताव भी पारित किया। शपथ रोकने का अनुरोध भी किया सफलता नहीं मिलने पर शपथ ग्रहण समारोह का बहिष्कार भी कर दिया। इसके पहले कभी ऐसा नहीं हुआ था। अब केंद्र और राज्य की शक्तियों को लेकर एक नया विवाद शुरू हो गया है इसमें न्यायपालिका भी बीच में आ गई है।

जान बूझकर नियम नहीं बनाती दिल्ली सरकार

दिल्ली में बड़ी-बड़ी कालोनियां बनी हैं। बड़े-बड़े एरिया हैं, जहां पर कई वर्षों से लाल डोरे के नाम पर बिना परमिशन के बड़ी-बड़ी बिल्डिंगें बन रही है। इसके लिए दिल्ली सरकार और नगर पालिका निगम ऐसे कानून बनाती हैं जिनमें मकान मालिकों को नगर निगम के पार्षदों अधिकारियों और विधायकों के ऊपर निर्भर रहना पड़े। इनसे हर साल वसूली होती है। जब निर्माण चल रहे होते हैं,तो लाखों रुपए वसूल किए जाते हैं। कई सरकारंक आई और गई, यह अवैध कमाई और भ्रष्टाचार का खेल दिल्ली में चल रहा है। इसमें पुलिस भी बहती गंगा में हाथ होती है। हर साल हादसे होते हैं, हर साल लोग मरते हैं। कमाई निरंतर होती रहती है। टैक्स से कई गुना ज्यादा फायदा दिल्ली के नेताओं अधिकारियों और पुलिस की जेब में जाता है। कमाई थोड़ी ना बंद करेंगे, कुछ लोग मरते हैं तो मर जाएं।

अमेरिकी राजदूत द्वारा पीयूष गोयल की प्रशंसा

अमेरिका के भारतीय राजदूत सर्जियो गौर ने भारतीय नेताओं को खुश करने का तरीका सीख लिया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हैं। उसके बाद उन्हें महान बता देते हैं। कुछ वैसा ही भारत में अमेरिका के राजदूत कर रहे हैं। उन्होंने पीयूष गोयल को काबिल मंत्री बता कर खुश कर दिया। अमेरिका के साथ भारत की व्यापार संधि पर वार्ता चल रही है। पीयूष गोयल को खुश करना भी जरूरी है। कब और कैसे खुश करना है। ट्रंप और अब उनके राजदूत बेहतर तरीके से जान गए हैं।

सामंजस्य की टूटती कड़ियां

जीवन शैली

किसी भी रिश्ते या परिवार में सामंजस्य का होना बहुत जरूरी है। इसके बिना खुशहाल और सफल जीवन की कल्पना करना निरर्थक है। जब दो पक्षों के विचारों, वचनों और कार्यों में तालमेल होता है, तब कोई तनाव या उलझन नहीं होती और वे हर परिस्थिति का सामना आसानी से कर पाते हैं। मगर आज के दौर में प्रतिस्पर्धा का दायरा इतना बड़ा हो गया है कि वह संबंधों की सीमा को भी पार कर गया है। हम यह भूलते जा रहे हैं कि सामंजस्य की शक्ति में वह अद्भुत क्षमता है, जिसके द्वारा हम दूसरों की भावनाओं को समझते हैं, रिश्तों में संतुलन बनाते हैं और जीवन में शांति एवं सफलता हासिल करते हैं। इससे आपसी मतभेद की गुंजाइश बहुत कम हो जाती है और सहयोग एवं उत्साह के नए द्वार खुलते हैं।

असहिष्णुता की चुनौती

किसी भी समाज, परिवार या रिश्ते में मजबूती तभी आती है, जब सामंजस्य, परस्पर विश्वास एवं सहयोग की भावना हो। सामंजस्य का अर्थ यह नहीं कि सभी लोग एक जैसा सोचें या उनके विचारों में कोई मतभेद न हो। इसका मतलब है- मतभेदों के बावजूद एक-दूसरे का सम्मान करना, संवाद बनाए रखना और साझा हितों के लिए साथ चलना। मगर आज सामंजस्य की कई कड़ियां कमजोर पड़ती दिखाई दे रही हैं। सबसे बड़ी चुनौती बढ़ती असहिष्णुता है। विचारों की विविधता स्वाभाविक है, लेकिन जब हम अपनी राय को ही अंतिम सत्य मानने लगते हैं और दूसरे की बात सुनना बंद कर देते हैं, तब असहमति धीरे-धीरे व्यक्तिगत संबंधों को प्रभावित करने लगती है।

संवाद का टूटना

दरअसल, बदलती जीवनशैली, आर्थिक दबाव, व्यस्तता और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं ने परिवार के सदस्यों के बीच संवाद को सीमित कर दिया है। एक ही घर में रहने वाले लोग कई बार एक-दूसरे के लिए समय नहीं निकाल पाते। स्मार्ट फोन और सोशल मीडिया ने संपर्क के नए रास्ते खोले हैं, लेकिन डिजिटल जुड़ाव के बीच वास्तविक संवाद कम होता जा रहा है। ऐसे में संबंधों को केवल तकनीक के भरोसे छोड़ देने से सामंजस्य का टूटना स्वाभाविक है। जबकि शब्दों की शक्ति को समझना और उनका संयमित इस्तेमाल करना आज के दौर में पहले से अधिक जरूरी है। रिश्तों की सफलता की राह तभी आसान होती है, जब विचारों और लक्ष्यों का सही दिशा में तालमेल हो।

> *सामंजस्य का अर्थ यह नहीं कि सभी लोग एक जैसा सोचें। इसका मतलब है- मतभेदों के बावजूद एक-दूसरे का सम्मान करना, संवाद बनाए रखना और साझा हितों के लिए साथ चलना।*

साझा दृष्टिकोण

संबंधों में सामंजस्य बनाए रखने की जिम्मेदारी किसी एक पक्ष की ही नहीं होती है। इसके लिए नियमित तौर पर द्विपक्षीय संवाद बेहद जरूरी है। इसके अभाव में गलतफहमियां बढ़ती हैं, जो धीरे-धीरे अविश्वास को जन्म देती हैं। इसलिए असहमति के बावजूद संवाद के दरवाजे खुले रहने चाहिए। अगर कहीं कोई मतभेद हों, उन्हें तर्क और संवेदनाओं की कसौटी पर कसकर सुलझाया जा सकता है। यदि हम विचारों में भिन्नता के बावजूद साझा हितों के महत्त्व को पहचानने की कोशिश करें और एक-दूसरे के प्रति विश्वास बनाए रखें, तो सामंजस्य की कमजोर होती कड़ियां फिर मजबूत हो सकती हैं।

थायराइड का घेरा सावधानी ही बचाव

सेहत

भारत में थायराइड मरीजों की संख्या बढ़ना चिंता का विषय है। दरअसल, जीवनशैली बिगड़ने से अब लोगों को थायराइड हो रहा है। यह ग्रंथियों से जुड़ा रोग है। समस्या तब होती है, जब थायराइड ग्रंथि हार्मोन का उत्पादन कम या अधिक करने लगती है। यह गले की एक ऐसी ग्रंथि है जो ठीक सांस नली के ऊपर होती है। यह शरीर में सबसे बड़ी अंतःस्रावी ग्रंथियों में से एक है। इसमें गड़बड़ी होने से ही लोगों को थायराइड होता है। यह ग्रंथि ही 'थायरोक्सिन हार्मोन' बनाती है। इसकी भूमिका अहम है। यही वह हार्मोन है जो सभी कोशिकाओं को नियंत्रित करता है। रक्तचाप को काबू करने के साथ यह हृदय गति को भी सामान्य बनाए रखता है। थायराइड ग्रंथि में बनने वाला थायरोक्सिन मांसपेशियों और हड्डियों को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है।

लाखों लोग प्रभावित

भारत में बड़ी संख्या में लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं। एक आंकड़े के मुताबिक चार करोड़ से अधिक लोग थायराइड से प्रभावित हैं। चिंता की बात यह है कि आमतौर पर लोगों को पता ही नहीं चलता कि वे इस रोग की चपेट में आ गए हैं। यह रोग बेहद खामोशी से घेरता है। तब थायराइड से जुड़े दो प्रकार के विकार सामने आते हैं। एक में थायराइड ग्रंथि बहुत सक्रिय होती है और दूसरे में कम। अधिक सक्रिय होने की सूरत में शरीर इससे बनी अधिक ऊर्जा को खर्च करने लगता है। इसे 'हायपरथायरिज्म' कहा जाता है। इस स्थिति में प्रायः यह रोग महिलाओं को अधिक होता है।

समस्या की जड़

कोई भी रोग होता है, तो उसके पीछे कोई न कोई वजह होती है। इसकी जड़ में जाए बिना न तो बीमारी ठीक होती है और न ही कारगर इलाज संभव है। थायराइड होने की बड़ी वजह बिगड़ती आदतें हैं। खानपान में लापरवाही, देर तक जागने और अधिक तला-भुना और मसालेदार भोजन से समस्या बढ़ती है। आहार में नमक की अधिक मात्रा भी वजह है। भोजन में सोया उत्पाद की मात्रा अधिक लेने और विटामिन बी-12 की कमी से भी यह रोग हो जाता है। थायराइड ग्रंथियों में सूजन हो, तो इसकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए और तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए।

न करें नजरअंदाज

थायराइड के लक्षणों को कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दरअसल, कई बार लक्षण इतने हल्के होते हैं कि पहचान में नहीं आते। जैसे बार-बार थकान हो, तो लोग इसे सामान्य मान लेते हैं। जबकि यह थायराइड होने का संकेत हो सकता है। वजन में उतार-चढ़ाव भी लक्षण है। अगर मासिक धर्म अनियमित हो गया हो, तो महिलाओं को सजग हो जाना चाहिए। सामान्य मरीजों में चिड़चिड़ापन भी दिखता है। अधिक पसीना आना और अनिद्रा थायराइड का ही लक्षण है। थायराइड अगर अल्प सक्रिय स्थिति में आ जाए, तो इससे भी समस्याएं पैदा होती हैं। ऐसे में अवसाद और हमेशा थकावट जैसे लक्षण दिखते हैं। जोड़ों में दर्द रहता है। त्वचा में सूखापन के साथ कब्ज की भी शिकायत रहती है।

निदान की राह

आज जब शहरों की युवा आबादी भी इस रोग की चपेट में आ रही है, तो अब समय आ गया है कि लोग सबसे पहले अपनी जीवनशैली बदलें। खान-पान की आदतों में भी सुधार करें। प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से दूर रहें। वजन पर नियंत्रण रखें। पर्याप्त नींद भी जरूरी है। रात के समय मोबाइल और लैपटाप से दूर रहें, क्योंकि डिजिटल गतिविधियां भी अनिद्रा की समस्या बढ़ा रही हैं। यथासंभव तनाव से दूर रहें। अगर मुमकिन हो, तो हर वर्ष स्वास्थ्य जांच के दौरान थायराइड की भी जांच करा लें। इस मर्ज का उपचार आम तौर पर दवाइयों और परहेज से हो जाता है। उपचार के दौरान स्वस्थ आहार लें और चाय तथा काफी का सेवन बंद कर दें।

(यह लेख सिर्फ सामान्य जानकारी और जागरूकता के लिए है। उपचार या स्वास्थ्य संबंधी सलाह के लिए विशेषज्ञ की मदद लें।)

स्वादिष्ट और चटपटा जायका

रसोई

मटर मसाला

इस व्यंजन को उत्तर भारत के कई हिस्सों में काफी पसंद किया जाता है। इसकी मलाईदार तरी में सूखे मेवे और मसालों का मिश्रण स्वाद को लाजवाब बना देता है। इसे बनाना आसान है और यह बच्चों से लेकर बुजर्गों तक अमूमन सभी को पसंद आता है।

सामग्री

मटरः 200-250 ग्राम, प्याजः एक, लहसुनः चार-पांच कलियां, अदरकः एक इंच, जीराः एक चम्मच, हरी मिर्चः दो-तीन, टमाटरः तीन, धनिया पाउडरः आधा चम्मच, गरम मसालाः आधा चम्मच, काजू-पिस्ता का पेस्टः दो चम्मच, क्रीमः दो-तीन चम्मच, नमकः स्वादानुसार।

विधि

हरे मटर को धोकर उसमें से पानी को पूरी तरह निकाल दें। अदरक और लहसुन को पीस कर पेस्ट बनाएं। इसी तरह टमाटर तथा काजू-पिस्ता का भी अलग-अलग पेस्ट तैयार कर लें। अब एक कड़ाही में सरसों तेल गरम करें और उसमें जीरा, मेथी दाना, लाल सूखी मिर्च तथा धनिया बीज भूनें। इसके बाद बारीक कटा हुआ प्याज और हरी मिर्च डालें। इसे प्याज के हल्का सुनहरा रंग आने तक भूनें। फिर अदरक और लहसुन का पेस्ट इसमें मिलाएं। इसे तब तक पकाएं, जब तक कि यह लाल भूरा न हो जाए। फिर इसमें काजू-पिस्ता का पेस्ट मिलाएं और हल्का सा भूनने के बाद टमाटर का पेस्ट डालें। अब हल्दी पाउडर के साथ थोड़ा सा पानी मिलाएं। इसे ढक्कन लगाकर तीन-चार मिनट तक पकाएं। अब कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर डालें, जो तीखेपन के साथ मसाले को रंगत भी देता है। साथ ही गरम मसाला पाउडर भी डालें और अच्छी तरह मिलाकर धीमी आंच पर एक-दो मिनट तक पकाएं। इसके बाद हरे मटर इसमें डाल दें तथा नमक और आवश्यकतानुसार गरम पानी मिलाएं। इसे ढककर मध्यम आंच पर बारह-पंद्रह मिनट तक पकाएं। फिर इसमें दो-तीन चम्मच क्रीम और कसूरी मेथी डालें। अंत में बारीक कटा हुआ हरा धनिया मिलाएं और चावल या चपाती के साथ गरमागरम परोसें।

भिंडी कढ़ी

भिंडी की सब्जी तो घरों में अक्सर बनाई जाती है, लेकिन थोड़ा तरल और चटपटे स्वाद के लिए इसकी कढ़ी बनाई जा सकती है। चावल के साथ इसका स्वाद बेहतरीन होता है। इसमें दही का इस्तेमाल होता है और यह हाजमे को भी दुरुस्त बनाए रखती है।

सामग्री

भिंडीः 200-300 ग्राम, दहीः डेढ़ कप, बेसनः तीन-चार चम्मच, सूखी लाल मिर्चः दो-तीन, जीराः एक चम्मच, सरसों के दानेः आधा चम्मच, मेथी दानाः आधा चम्मच, अदरकः एक इंच, प्याजः एक, नमक स्वादानुसार।

विधि

भिंडी को धोकर साफ कपड़े से सुखा लें, ताकि काटते समय उसमें लार न बने। इसे मोटे-मोटे टुकड़ों में काटें। अब एक कड़ाही में तेल गर्म करें और कटी हुई भिंडी उसमें डाल दें। इसे तीन-चार मिनट तक चम्मच से चलाते हुए भूनें, ताकि यह हल्की सी कुरकुरी हो जाए। इसके बाद एक कटोरे में दही, बेसन, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर को एक साथ फेंट लें। इसमें थोड़ा सा पानी डालकर पतला पेस्ट बनाएं। ध्यान रहे कि घोल में कोई गांठ न रहे। अब फिर से कड़ाही में तेल गरम करें और उसमें जीरा तथा मेथी डालकर चटकने दें। फिर इसमें करी पत्ते, कटा हुआ प्याज और अदरक डालें। इसे तब तक पकाएं, जब तक कि उसका रंग हल्का सुनहरा भूरा न हो जाए। फिर इसमें दही और बेसन का घोल मिलाएं। इसे मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए उबाल आने दें और फिर आवश्यकतानुसार पानी डालें। इसे आठ-दस मिनट तक पकने दें। इसके बाद भूनी हुई भिंडी को इसमें मिला दें और साथ ही नमक भी डाल दें। इसे मध्यम आंच पर दस-पंद्रह मिनट तक पकने दें। अब इसमें कसूरी मेथी और बारीक कटा हुआ हरा धनिया डालें और आंच बंद कर दें। फिर एक पैन में देसी घी गरम करें और उसमें सरसों के दाने तथा साबुत सूखी लाल मिर्च डालें। भूनने के बाद इन्हें कढ़ी में मिला दें। इसे चावल या चपाती के साथ परोसें।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के प्रमोशल वीडियो में पूरा कश्मीर भारत में दिखाया गया

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच 13 सितंबर से तीन मैचों की टी20 सीरीज यहां के अरुण जेटली स्टेडियम में खेली जाएगी। इस सीरीज की मेजबानी अफगानिस्तान बोर्ड कर रहा है पर मुकाबले भारत में ही खेले जाएंगे क्योंकि अफगान बोर्ड के पास अंतरराष्ट्रीय स्तर का कोई स्टेडियम नहीं है।

इस सीरीज से ठीक पहले एसीबी ने सोशल मीडिया में एक ऐसा प्रमोशनल वीडियो जारी किया है जिसमें जहां दोनों देशों के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता और दोस्ती की झलक दिखती है पर इस वीडियो में जो नक्शा दिखाया गया है उसमें पूरा कश्मीर भारत में दिखाया गया है।

अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे टियाफो

न्यूयॉर्क। अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो ने अमेरिकी ओपन टेनिस के रोमांचक क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत के साथ ही सेमीफाइनल मे प्रवेश किया है। टियाफो ने पुरुष एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में अपने ही देश के एलेक्स मिशेलसन के खिलाफ 5-7, 3-6, 7-5, 6-3, 7-6 (10/6) से जीत के साथ ही सेमीफाइनल में जगह बनायी। शुरुआती दो सेट गंवाने के बाद, ग्यारहवीं वरीयता प्राप्त टियाफो ने शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार में जगह बनायी।

यह मुकाबला 4 घंटे 38 मिनट तक चला। विश्व के 46वें नंबर के खिलाड़ी मिशेलसन ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले दो सेट 7-5, 6-3 से जीतकर विरोधी खिलाड़ी पर दबाव बना दिया।

दलीप ट्रॉफी में साउथ जोन की हार तय नजर आ रही

चेन्नई। यहां ईस्ट जोन के साथ खेले जा रहे दलीप ट्रॉफी 2026 के फाइनल मुकाबले में साउथ जोन की हार तय मानी जा रही है। यहां तक कि यदि साउथ जोन 700 रन का लक्ष्य हासिल भी स्कोर भी बना लेती है, तो भी उसे हार का सामना करना पड़ सकता है।इसका कारण ईस्ट जोन का पहली पारी में किया गया शानदार प्रदर्शन है। ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कुल 708 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था। उनके कप्तान ईशान किशन ने 270 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। वहीं कुमार कुशाग्र ने भी शतक लगाया था।

पाकिस्तान टीम के बचाव में उतरे रुट, हमें भी चुनौतियां मिली

लंदन। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान जो रुट ने कहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ भले ही दोनो टेस्ट मैच उनकी टीम ने जीते हैं पर इसका ये मतलब नहीं है कि पाक टीम ने मुकाबलों में संघर्ष नहीं किया। मेजबान टीम ने शुरुआती दो टेस्ट मैचों में, हेडिंग्ले में पारी और 103 रनों से और लॉर्ड्स में 194 रनों से शानदार जीत दर्ज कर सीरीज में 2--0 की अजेय बढ़त बनायी है।

एशियाई खेलों में भारत का अभियान 17 सितंबर से शुरु होगा

हॉकी, क्रिकेट सहित कई खेलों में अपने खिताब बरकरार रखना रहेगा लक्ष्य

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक शुरु हो रहे एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय दल पूरी तरह तैयार है। भारतीय दल का अभियान इन खेलों में आधिकारिक उद्घाटन समारोह से दो दिन पहले ही यानी 17 सितंबर को ते?बॉल के मुकाबलों के साथ ही शुरु हो जाएगा। इस बार भारतीय दल का लक्ष्य केवल पदक तालिका में अपनी स्थिति बेहतर करना नहीं, बल्कि क्रिकेट और हॉकी सहित कई खेलों में अपने पिछले खिताबों को बरकरार रखना भी होगा।

भारत के लिए शुरुआती मुकाबले बेहद महत्वपूर्ण होंगे। 17 सितंबर को ते?बॉल के साथ अभियान की शुरुआत के बाद अगले ही दिन 18 सितंबर को भारत की महिला क्रिकेट टीम जापान के खिलाफ अपने क्वार्टर फाइनल मैच में उतरेगी। पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों के अलावा, भारतीय पुरुष हॉकी टीम भी अपने खिताब को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर होगी। इन प्रमुख खेलों के साथ-साथ बैडमिंटन, कबड्डी, शूटिंग, बॉक्सिंग, एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग और कुश्ती जैसे कई अन्य खेलों में भी भारतीय खिलाड़ी पदक के लिए अपनी चुनौती पेश करेंगे।भारतीय दल में ओलंपिक और राष्ट्रमंडल खेलों के कई अनुभवी और पदक विजेता खिलाड़ी शामिल हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। बैडमिंटन में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगी, जबकि वेटलिफ्टिंग में ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू पर भी सबकी नजरें रहेंगी। निशानेबाजी में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर भारत की प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। वहीं कुश्ती में पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत भारतीय चुनौती को मजबूती देंगे। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन और राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन साक्षी चौधरी जैसे नाम भी पोडियम पर पहुंचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी। एथलेटिक्स में भारत के 70 से अधिक ट्रैक एंड फील्ड एथलीट अपनी पूरी क्षमता के साथ हिस्सा लेने की तैयारी में हैं।

भारतीय टीम के मुकाबले

भारतीय अभियान की मुख्य तारीखों पर गौर करें तो, 17 सितंबर को ते?बॉल के साथ आगाज होगा, जिसके बाद 18 सितंबर को महिला क्रिकेट टीम एक्शन में होगी। 20 सितंबर से बैडमिंटन, शूटिंग जैसे कई खेलों में भारतीय खिलाड़ी अपनी चुनौती पेश करेंगे, उसी दिन पुरुष हॉकी टीम इंडोनेशिया से भिड़ेगी।

इमरान के समर्थन में उतरे अकरम , बिगड़ती सेहत पर चिन्ता जतायी

लाहौर। दुनिया भर के शीर्ष क्रिकेटरों के आवाज उठाने के बाद अब पाकिस्तानी खिलाड़ी भी जेल में बंद पूर्व कप्तान इमरान खान के समर्थन में सामने आने लगे हैं। इसी कड़ी में अब पाक के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने इमरान की बिगड़ती सेहत पर चिंता जतायी है। अकरम ने भावुक होते हुए कहा कि उन्हें इमरान की बहुत याद आती है साथ ही कहा कि उनकी सेहत के मामले में किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता। अकरम ने कहा कि उनकी पिछले तीन साल से इमरान से बात तक नहीं हो पायी है। उन्होंने कहा कि इमरान के साथ राजनीतिक तौर पर जो कुछ हो रहा है वह सही नहीं है। उनपर जो मामले है उन्हें अदालत देख रही है पर जहां तक इमरान की व्यक्तिगत सेहत का सवाल है, उसमें कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

गौरतलब है कि पाकिस्तान को 1992 विश्व कप जिताने वाले कप्तान इमरान खान को भ्रष्टाचार के कई मामलों में दोषी ठहराया गया है और वे साल 2022 से ही जेल में बंद हैं। हालांकि इमरान लगातार अपने ऊपर लगे सभी आरोपों से इनकार करते रहे हैं। पाक में सरकार के डर से अब तक कुछ ही पूर्व क्रिकेटर उनके समर्थन में सामने आये हैं पर अब ये संख्या बढ़ रही है।

पिछले सप्ताह, वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने भी इमरान को उचित चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने की मांग करने वाले पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों की मुहिम में शामिल हुए थे। इससे पहले, लगभग 22 पूर्व अंतरराष्ट्रीय कप्तानों ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को एक खुला पत्र लिखा था, जिसमें इमरान को बेहतर चिकित्सा सुविधा और मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग की गई थी।

अकरम ने कहा, इंग्लैंड और अन्य जगहों पर इमरान की स्थिति बेहतर करने के लिए एक मुहिम चल रही है पर दुख की बात है कि पाक में ऐसा नहीं हो रहा।उन्होंने अपनी चिंता को स्पष्ट करते हुए कहा, मैं एक ऐसे व्यक्ति के तौर पर दिल से बात कर रहा हूं, जो उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित है। वह दोषी हैं या नहीं, जेल में हैं या नहीं, इन सब से अलग हमें उनकी सेहत की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। हमें नहीं पता कि वास्तव में क्या हो रहा है।

एशियाई खेलों में टीम इंडिया को नहीं मिलेगी पांच सितारा सुविधा - राजीव शुक्ला

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि एशियाई खेलों में भारतीय टीम को कोई पांच सितारा होटल नहीं मिलेगा और खिलाड़ियों को वहीं रहना पड़ेगा जो आयोजन समिति उपलब्ध करायेगी। शुक्ला ने कहा कि आम तौर पर क्रिकेट टूर्नामेंटों में भारतीय टीम को पांच सितारा होटल उपलब्ध कराया जाता है पर ये एशियाई खेल है और यहां उसे यहां कोई विशेष सुविधा नहीं मिलेगी और वहीं रहना पड़ेगा जहां आयोजन समित कहेगी हालांकि व्यवस्था अच्छी रहेगी।

गौरतलब है कि जापान में 19 सितंबर से शुरू हो रहे एशियाई खेल 2026 में भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीम अपने खिताब के बचाव के लिए उतरेगी। हाल ही में भारतीय दल के सेंड-ऑफ समारोह के अवसर पर शुक्ला ने कहा, आयोजक जो भी सुविधाएं उपलब्ध करवा रहे हैं, हमारे खिलाड़ी वहीं रहेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि बीसीसीआई ने भी इन व्यवस्थाओं पर नजर बनाये रखी है जिससे खिलाड़ियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। शुक्ला के अनुसार आयोजन समिति ने पांच-सितारा श्रेणी तो नहीं पर रहने के लिए अच्छी व्यवस्था की है।

उन्होंने साथ ही कहा कि भारतीय दल को नागोया में ही ठहरना होगा, क्योंकि ओसाका या टोक्यो जैसे बड़े शहरों में रहने की व्यवस्था करने पर खिलाड़ियों को आयोजन स्थल तक पहुंचने के लिए लंबी यात्रा करनी होती है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान अजहर ने मुख्य चयनकर्ता अकीब जावेद पर निशाना साधा अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट की बदहाली पर अब उसके पूर्व कप्तान अजहर अली ने दुख जताते हुए चयन समिति के प्रमुख अकीब जावेद पर निशाना साधा है। मजहर ने कहा कि अकीब अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। इंग्लैंड के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बाद टीम में हुए बड़े बदलावों को लेकर इस पूर्व कप्तान ने ये बात कही है। अजहर अली का कहना है कि पाकिस्तान क्रिकेट ने वह खूबी भी खो दी है जो कभी उसकी पहचान हुआ करती थी। एक समय पाकिस्तान की टीम को सबसे अप्रत्याशित टीम माना जाता था । वहीं अब वह सबसे बुरे तरीके से लगातार एक जैसा प्रदर्शन करने वाली टीम बन गये हैं।

अजहर ने हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर और सीनियर सेलेक्टर आकिब जावेद की भी कड़ी आलोचना की और उन पर टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी से बचने का आरोप लगाया। अजहर ने कहा, पिछले तीन सालों से ऐसे ही खराब फैसले लिए जा रहे हैं। उन्हें प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उनके फैसलों पर सवाल उठने ही चाहिए। अजहर ने कहा, मैंने इस हफ्ते उनका साक्षात्कार सुना जिसमें वह कोच सरफराज अहमद और कप्तान बाबर आजम पर दोष मढ़ने की कोशिश कर रहे थे, जबकि उन्होंने ही कुछ महीने पहले उन्हें नियुक्त किया था। मेरे लिए किसी के फैसलों को आंकने के लिए इतना ही काफी था। उनके हर फैसले का विपरीत असर होता है और फिर वह कहते हैं- यह मेरी गलती नहीं है। पहले खुद को तो देखिए। और अगर आप इस टीम को संभाल नहीं सकते, अगर आप पाकिस्तान क्रिकेट में कोई बदलाव नहीं ला सकते, तो हट जाइए।

अजहर ने कप्तान बाबर आजम के प्रति सहानुभूति भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मौजूदा अस्थिरता ने उनके काम को बेहद कठिन बना दिया है। अजहर ने कहा, शायद अभी पाकिस्तान की कप्तानी करने का सबसे बुरा समय है। मुझे लगता है कि उन्हें अपने विकल्पों पर भी विचार करना चाहिए। उन्होंने आगे जोड़ा कि हर खिलाड़ी के करियर में ऐसा दौर आता है जब वे कम स्कोर बनाते है, लेकिन एक देश के तौर पर हम उनसे लगातार अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते रहे और फिर उनकी आलोचना भी हुई। अजहर के अनुसार, इस बात का उनके दिमाग पर असर पड़ा है और उन्हें खुद पर शक होने लगा है, जबकि उन्हें अंदर से कोई खास सपोर्ट भी नहीं मिला। मुझे नहीं लगता कि वे मानसिक रूप से मिस्बाह या यूनिस खान जितने मजबूत हैं।

शुभमन और पंड्या की कप्तानी शैली है काफी अलग - नेहरा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा ने शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की कप्तानी का अंतर बताया है। नेहरा ने कहा कि दोनों के व्यक्तित्व और नेतृत्व शैली में खास अंतर है। नेहरा के अनुसार हार्दिक जब गुजरात के कप्तान थे तब उन पर पूरी तरह भरोसा करते थे और किसी भी मामले पर पर बेहिचक बात करते थे। दूसरी ओर शुभमन गिल शांत रहते हैं और कम बोलते हैं। नेहरा का यह भी मानना है कि शुभमन अभी कप्तानी के मामले में सीखने के दौर में हैं और अनुभव के साथ उनमें और निखार आएगा।

नेहरा ने कहा कि दोनों की कप्तानी में उतना ही अंतर है, जितना उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव में होता है। उन्होंने बताया कि पंड्या उन पर पूरा भरोसा करते थे और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते थे। अगर कोई चीज सही नहीं हो रही होती थी, तो वह सवाल पूछने और उस पर खुलकर चर्चा करने से पीछे नहीं हटते थे। कोच और कप्तान के बीच यह खुला संवाद हार्दिक के नेतृत्व के तरीके का एक अहम हिस्सा था।

वहीं शुभमन की कप्तानी शैली के बारे में नेहरा ने कहा कि वह पंड्या की तुलना में ज्यादा शांत और रिजर्व स्वभाव के हैं। उन्होंने साफ किया कि यह कोई कमी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति का अपना अलग व्यक्तित्व होता है। नेहरा ने बताया कि शुभमन पंड्या की तरह ज्यादा बातचीत नहीं करते, लेकिन जब भी बात करते हैं तो सीधे मुद्दे पर रहते हैं। वह चीजों को ध्यान से देखते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं। नेहरा ने कहा कि शुभमन ने अभी लंबे समय तक कप्तानी नहीं की है और अभी केवल 1 से 2 साल से ही यह भूमिका निभा रहे हैं। नेहरा ने विश्वास जताया कि समय के साथ उनका अनुभव बढ़ेगा और वह एक बेहतर कप्तान बन सकते हैं। उन्होंने शुभमन्न के सकारात्मक रवैये और लगातार चीजों को समझने व सीखने की कोशिश करने की भी तारीफ की।आईपीएल में शुभमन और पंड्या की कप्तानी के रिकॉर्ड की बात करें तो, शुभमन गिल ने गुजरात टाइटंस के लिए अब तक 43 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें टीम ने 24 मुकाबले जीते, जबकि 19 मैचों में टीम को हार मिली।

भारतीय टीम से मुकाबले के लिए तैयार हैं :सैंटनर

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा है कि उनकी टीम भारत का मुकाबला करने के लिए तैयार है। सैंटनर ने ये बातें भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर कही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हमने भारत दौरे में जीत दर्ज की थी। ठीक उसकी प्रकार से अब भारतीय टीम हमें हराकर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

कीवी टीम ने इस साल जनवरी में भारतीय टीम को तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराया था। इसके अलावा, 2024 में उन्होंने भारत में 3-0 से टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रचा था, जो भारतीय हालातों में एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं अब भारतीय टीम न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली है।

उनका यह दौरा 22 अक्टूबर को पांच मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज से होगा। ये 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। यह टेस्ट सीरीज मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के लिए भी अहम है, जहां न्यूजीलैंड अभी तीसरे स्थान पर है और भारत पांचवें स्थान पर है।

सैंटनर ने कहा कि भारत निश्चित रूप से बदला लेने की कोशिश करेगा, लेकिन उन्हें तीनों फॉर्मेट में एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है। इसलिए यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। सैंटनर ने आगे कहा कि हर कोई लंबे समय से न्यूजीलैंड में भारत जैसी बड़ी टीम के खिलाफ तीनों फॉर्मेट खेलने का इंतजार कर रहा था। हर कोई यही तो करना चाहता है। उन्होंने न्यूजीलैंड की टेस्ट परिस्थितियों का भी जिक्र किया, जो भारत से अलग और तेज गेंदबाजों के अनुरुप होती हैं। । सैंटनर ने कहा, सबसे पहले, 10 व्हाइट-बॉल मैच होने हैं, जो काफी ज्यादा हैं, लेकिन यह एक अच्छी सीरीज होगी। फिर टेस्ट मैच होंगे और मुझे लगता है कि भारत में खेले गए टेस्ट मैचों की तुलना में यहां हालात थोड़े अलग होंगे। साल के उस समय पिचें थोड़ा अलग व्यवहार कर सकती हैं, हरी पिचें और तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती हैं। उन्होंने भारत की गेंदबाजी आक्रमण और समग्र गुणवत्ता की भी प्रशंसा की। भारत तीनों फॉर्मेट में एक बहुत अच्छी टीम है, हम यह जानते हैं। उनके पास जबरदस्त ताकत है, खासकर व्हाइट-बॉल और फिर रेड-बॉल क्रिकेट में। भारत का गेंदबाजी आक्रमण भी काफी अच्छा है।

पडिक्कल बोले टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं, प्रदर्शन में निरंतरता जरुरी

मुम्बई। बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था पर इसके बाद भी उनका मानना है कि अभी उन्हें काफी कुछ करना है। पडिक्कल के अनुसार भारतीय टेस्ट टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है और इसके लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है क्योंकि आजकल टेस्ट कम होने से अवसर भी काफी कम होते हैं। इसी कारण श्रीलंका दौरे पर लगातार दो शानदार शतक लगाने के बावजूद, पडिक्कल अपने प्रयास जारी रखना चाहते हैं।

गौरतलब है कि नियमित नंबर तीन बल्लेबाज साई सुदर्शन के पैर में चोट लगने के कारण पडिक्कल को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में अवसर मिला था। उन्होंने इस अवसर का लाभ उठाते हुए और तीन पारियों में कुल 328 रन बनाकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। पडिक्कल ने कहा, इन दिनों आपको बहुत कम मौके मिलते हैं और टीम में अपनी जगह बनाना आसान नहीं होता। किसी भी चीज को हल्के में नहीं लिया जा सकता। व्यक्तिगत तौर पर मेरा लक्ष्य केवल रन बनाते रहना और भारतीय टेस्ट टीम को जीत दिलाने में योगदान देना है। मुझे पूरा विश्वास है कि जब तक मैं ऐसा करता रहूंगा, मेरी जगह बनी रहेगी।

पडिक्कल ने साथ ही कहा, जब तक मैं रन बना रहा हूं, मुझे लगता है कि इससे टीम को हमेशा लाभ ही होगा। जैसा कि हम सभी जानते हैं, टेस्ट क्रिकेट एक आसान प्रारूप नहीं है, इसलिए आपको हर दिन अच्छा प्रदर्शन करते रहना होता है। यह अवसर पडिक्कल को भले ही सुदर्शन की चोट के कारण मिला हो, लेकिन उन्होंने इसे बेहतरीन तरीके से भुनाया। टीम प्रबंधन ने सीरीज शुरु होने से पहले ही उन्हें दोनों टेस्ट मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने की जानकारी दे दी थी।

पडिक्कल खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें भारत के महानतम नंबर तीन बल्लेबाजों में से एक राहुल द्रविड़ से बल्लेबाजी से जुड़ी सलाह लेने का मौका मिला।

दलीप ट्रॉफी में शमी चमके, सिराज विफल रहे

चेन्नई। भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने दलीप ट्रॉफी फाइनल में अपनी शानदार गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया। ईस्ट जोन के लिए खेलते हुए मोहम्मद शमी ने न सिर्फ टीम को शुरुआती सफलताएं दिलाई, बल्कि उन्होंने मैच में दोनों पारियों को मिलाकर कुल 7 विकेट झटके। इस फ्लैट पिच पर, जहां रन बनाना आसान लग रहा था, शमी ने अपनी सटीकता और कौशल से बल्लेबाजों को परेशानी में डाला। उन्हें मुकेश कुमार का भी बेहतरीन साथ मिला। फाइनल से पहले सेमीफाइनल में भी उन्होंने सेंट्रल जोन के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए दोनों पारियों में 5 विकेट अपने नाम किए थे, जिससे उनका आत्मविश्वास और बढ़ा हुआ नजर आया। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज दलीप ट्रॉफी के फाइनल में विकेट लेने में विफल रहे हैं। सिराज ने साउथ जोन की ओर से गेंदबाजी करते हुए 25 ओवरों में 140 रन दे दिये पर कोई विकेट नहीं ले पाये। इस मैच में ईस्ट जोन ने साउथ जोन पर पूरी तरह से दबाव बना लिया। । टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का कप्तान ईशान किशन का फैसला पूरी तरह सही साबित हुआ। ईस्ट जोन ने अपनी पहली पारी में 708 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें खुद कप्तान ईशान किशन ने 270 रनों की शानदार पारी खेली। इतने बड़े स्कोर के जवाब में साउथ जोन के बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें और बढ़ गई। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की गेंदबाजी के सामने वे टिक नहीं पाये। साउथ जोन की गेंदबाजी इकाई के लिए यह मैच कुछ खास नहीं रहा। सिराज के अलावा टी विजय ने 4 विकेट तो लिए पर उन्होंने 180 रन दे दिए। श्रेयस गोपाल ने 2 विकेट के लिए 165 रन लुटा दिये।

आईसीसी ने आचार सहित उल्लंघन के लिए पाकिस्तान की फिरोजा पर लगाया 10 फीसदी जुर्माना

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आचार संहिता उल्लंघन के लिए पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी गुल फिरोजा पर मैच फीस का 10 फीसदी जुर्माना लगाया है। आईसीसी ने फिरोजा को अनुशासन तोड़ने का दोषी पाया गया है, जिसके चलते उन पर ये जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही, उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है। ये आईसीसी के नियमों के तहत एक गंभीर चेतावनी मानी जाती है।

फिरोजा पर ये कार्रवाई दुबई में डेनमार्क के खिलाफ खेले गए मैच में आचारसंहिता तोड़ने के लिए की है। फिरोजा ने इस मैच में ऑन-फील्ड अंपायर के एलबीडब्ल्यू आउट देने के फैसले पर अपनी नाराजगी जताई थी जिसे आईसीसी के खिलाड़ियों के लिये तय आचारसंहिता का सीधा उल्लंघन माना जाता है। ये मामला पाकिस्तान की पारी के पांचवें ओवर का है तब कलाई की स्पिनर कैरी चैन की एक टॉस-अप डिलीवरी पर फिरोजा स्वीप करने के लिए नीचे झुकीं। गेंद स्टंप्स के सामने उनके पैड पर जा लगी। जिसपर मैदानी अंपायर ने उन्हें आउट करार दिया।

टूर्नामेंट में डीआरएस (निर्णय समीक्षा प्रणाली) का उपयोग नहीं होने के कारण, फिरोजा को पवेलियन लौटना पड़ा। हालांकि, पवेलियन लौटते समय फिरोजा ने अंपायर के फैसले पर असहमति व्यक्त करते हुए अपने बल्ले की ओर इशारा किया और कथित तौर पर कहा था कि गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर गई थी। इसी को लेकर आईसीसी का कहना है कि फिरोजा का यह व्यवहार आईसीसी प्लेयर्स के लिए जारी आचार संहिता के विपरीत है। यह पिछले 24 महीनों के भीतर फिरोजा की दूसरी गलती थी, जिसके कारण उनके कुल डिमेरिट पॉइंट की संख्या अब दो हो गई है।

गौरतलब है कि गुल फिरोजा एशिया कप के दौरान कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने के लिए दोषी पाई जाने वाली पाकिस्तान की दूसरी खिलाड़ी है।

मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध संरक्षण दिवस

वन विभाग, संरक्षण संगठनों और हितधारकों ने गिद्ध संरक्षण के लिए तैयार किया रोडमैप

रीवा (कीर्तिप्रभा) अंतर्राष्ट्रीय गिद्ध संरक्षण दिवस के अवसर पर गत दिवस जयंती कुंज वन कार्यालय में विशेष बैठक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीएफओ लोकेश निरापुरे की उपस्थिति में रीवा जिले में गिद्ध संरक्षण के लिए भविष्य की कार्ययोजना और रोडमैप तैयार करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों, गिद्ध संरक्षण के लिए कार्य कर रहे स्थानीय संगठनों, समुदाय के प्रतिनिधियों तथा अन्य हितधारकों ने सहभागिता की। बैठक में गिद्धों के घोंसलों एवं प्रजनन स्थलों की सुरक्षा, नियमित मॉनिटरिंग, आवासीय क्षेत्र के संरक्षण, आवास क्षति को रोकने, सुरक्षित भोजन एवं मृत पशुओं के शवों की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा गिद्धों के लिए हानिकारक दवाओं के उपयोग एवं नियंत्रण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। समग्र जन चेतना विकास परिषद के प्रतिनिधि सुमित सिंह ने बताया कि संस्था पिछले तीन वर्षों से रीवा क्षेत्र में गिद्ध संरक्षण के लिए लगातार कार्य कर रही है। भारत के वन्यजीव ट्रस्ट के सहयोग से संस्था द्वारा गिद्धों के घोंसलों की पहचान एवं निगरानी, प्रजनन गतिविधियों का अध्ययन, आवास संरक्षण, समुदाय एवं हितधारकों के बीच जागरूकता, सुरक्षित भोजन की उपलब्धता तथा गिद्धों के लिए हानिकारक पशु चिकित्सा दवाओं के प्रति जागरूकता जैसे कार्य किए जा रहे हैं। इन संरक्षण प्रयासों में वन विभाग का निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। बैठक में रीवा के गिद्ध सुरक्षित क्षेत्र में गिद्धों के लिए गिद्ध फीडिंग स्टेशन स्थापित करने की आगामी योजना पर भी चर्चा की गई, जिससे गिद्धों को सुरक्षित एवं पर्याप्त भोजन उपलब्ध कराया जा सके। वन्यजीव संरक्षण विशेषज्ञ एवं जलवायु कार्यकर्ता देवादित्य सिन्हा ने गिद्ध संरक्षण, जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन से जुड़े विषयों पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। कार्यक्रम में एसडीओ फॉरेस्ट, रेंजर, डिप्टी रेंजर तथा सेमरिया, सिरमौर और रीवा क्षेत्र के वनरक्षक भी शामिल हुए। वनकर्मियों ने अपने मैदानी अनुभव साझा किए। वहीं डीएफओ ने गिद्ध संरक्षण को लेकर वन विभाग के अनुभव, प्राथमिकताओं और आगामी योजनाओं की जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय गिद्ध संरक्षण दिवस के संदेश को युवाओं तक पहुंचाने के लिए यूनिवर्सिटी बायपास क्षेत्र में किशोरों के बीच कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। खेल गतिविधि के माध्यम से युवाओं को वन्यजीव एवं जलवायु संरक्षण का संदेश दिया गया।

रोजगार मेला कन्या महाविद्यालय में 16 सितंबर को

रीवा (कीर्तिप्रभा) युवा संगम कार्यक्रम के तहत शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा में 16 सितंबर को वृहद रोजगार मेला आयोजित किया जायेगा। रोजगार मेले में रीवा जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को विभिन्न कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। रोजगार मेले में 20 कंपनियों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में आने वाले युवाओं के पंजीयन सुबह 10 बजे से 2 बजे तक किया जाएगा। मेले में शामिल होने वाले युवाओं के लिए आयु सीमा तथा शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित की गई है। रोजगार मेले में शामिल होने के लिए युवाओं की आयु 18 से 38 वर्ष के बीच होनी चाहिए। कक्षा 10वीं, 12वीं, स्नातक, स्नातकोत्तर, एमबीए, समस्त ट्रेडों से आईटीआई उत्तीर्ण तथा मेकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा प्राप्त युवा रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। वेतन एवं भत्ते 12 हजार रुपए से 25 हजार रुपए कंपनीवाइज अलग-अलग निर्धारित किया गया है। रोजगार मेले में आने वाले युवाओं को अपने साथ समग्र आईडी, मूल अंकसूची की छायाप्रति, निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लाना अनिवार्य होगा।

भूमि आवंटन के संबंध में आपत्ति 17 सितम्बर तक

रीवा (कीर्तिप्रभा) . नायब तहसीलदार हुजूर नगर यतशी शुक्ला ने बताया है कि पुलिस अधीक्षक कार्यालय निर्माण के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा शासकीय भूमि आवंटन का आवेदन कलेक्टर कार्यालय में प्रस्तुत किया गया है। इसके लिए कलेक्टर न्यायालय में ग्राम बोदा की शासकीय भूमि नम्बर 1225/1 रकबा 0.02 हेक्टेयर एवं भूमि क्रमांक 1228/1 रकबा 0.125 हेक्टेयर के आवंटन के लिए आवेदन किया गया है। इस भूमि के आवंटन के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह 17 सितम्बर तक नायब तहसीलदार हुजूर नगर कार्यालय में आपत्ति दर्ज करा सकता है। आपत्ति के निराकरण के बाद भूमि आवंटन की कार्यवाही की जाएगी।

लापरवाह सीएचओ और एएनएम का रूकेगा वेतन

रीवा (कीर्तिप्रभा) . स्वास्थ्य सूचकांकों को बेहतर करने के लिए लगातार समीक्षा की जा रही है। अनमोल पोर्टल पर दर्ज जानकारी के अनुसार 31 अगस्त तक जिले में गर्भवती महिलाओं की दर्ज संख्या 12272 है। इनमें से 9718 महिलाओं का प्रसव सरकारी अस्पतालों में तथा 1544 महिलाओं का प्रसव निजी अस्पतालों में हुआ। इनका प्रतिशत 91 है। इनमें से 873 महिलाओं का प्रसव जिले से बाहर हुआ तथा 137 का प्रसव घर पर ही हुआ। इस संबंध में कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इस संबंध मे प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुधाकर पाण्डेय ने बताया है कि गर्भवती महिलाओं के पंजीयन तथा अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं में 60 प्रतिशत से कम उपलब्धि वाली सभी एएनएम तथा सीएचओ के वेतन आहरण पर रोक लगाई जा रही है। पोर्टल में निर्धारित बिन्दुओं पर 60 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि होने पर ही वेतन दिया जाएगा। सभी सीएचओ, एएनएम और आशा कार्यकर्ता हर गर्भवती महिला का समय पर पंजीयन और नियमित जाँच कराएं। इसमें लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अपर कलेक्टर ने किया संजय गांधी अस्पताल का निरीक्षण

रीवा (कीर्तिप्रभा) . शासकीय संजय गांधी अस्पताल विन्ध्य क्षेत्र का सबसे बड़ा अस्पताल है। इसकी उपचार व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पताल की व्यवस्थाओं की मानीटरिंग के लिए कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने राजस्व अधिकारियों की तैनाती की है। उनके द्वारा अस्पताल का नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है। इस क्रम में अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी ने सुबह 10.30 बजे अस्पताल का निरीक्षण किया। अपर कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित अधीक्षक डॉ. प्रियंक शर्मा से ड्यूटी चार्ट के अनुसार डॉक्टरों की उपस्थिति, साफ-सफाई व्यवस्था तथा अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ केवल एक सहायक की अनुमति के संबंध में दिए गए निर्देश के परिपालन की जानकारी ली।

गर्भवती महिलाओं की जाँच और उपचार में लापरवाही पर होगी कार्रवाई

पाँच साल से अधिक समय से लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण कराएं - कमिश्नर

कमिश्नर ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग से अधिकारियों को दिए निर्देश

रीवा (कीर्तिप्रभा) . रीवा संभाग के कमिश्नर शैलेन्द्र सिंह ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से शासन की उच्च प्राथमिकता की योजनाओं की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि कलेक्टर्स अविवादित नामांतरण, बंटवारा तथा सीमांकन के प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। राजस्व न्यायालयों में लंबित पाँच साल से अधिक के सभी प्रकरणों का निराकरण कराएं। संभाग के सभी जिलों में अब बाढ़ जैसी स्थिति नहीं है। पीठासीन अधिकारी नियमित रूप से प्रकरणों की सुनवाई करें। राजस्व प्रकरणों में समय सीमा पर पटवारियों के प्रतिवेदन दर्ज कराएं। समय सीमा में प्रतिवेदन न देने वाले पटवारियों पर कड़ी कार्रवाई करें। आरसीएमएस पोर्टल के माध्यम से इश्तेहार जारी कराने तथा अन्य कार्यवाही सुनिश्चित करें। फार्मर रजिस्ट्री में प्रगति संतोषजनक नहीं है। हर गांव में शिविर लगाकर शेष बचे किसानों की फार्मर आईडी कराएं।

कमिश्नर ने कहा कि बाढ़ से जन-धन हानि का सर्वे पूरा हो गया है। प्राकृतिक आपदा पीड़ितों को राहत राशि का तत्काल वितरण कराएं। कलेक्टर टीएल बैठक में भू-अर्जन प्रकरणों की नियमित रूप से समीक्षा करें। भू-अर्जन के प्रकरणों में देरी होने से विकास कार्यों में देरी होती है। भू-अर्जन की प्रक्रिया समय पर पूरी न करके विकास कार्यों में बाधा डालने वालों पर कार्रवाई करें। ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने कहा कि स्वीकृत सभी आवासों का निर्माण 31 अगस्त तक पूरा कराएं। आवास की अंतिम किस्त प्राप्त करने के बाद भी निर्माण पूरा न कराने वाले हितग्राहियों के विरूद्ध वसूली की कार्यवाही करें। वॉश ऑन व्हील कार्यक्रम से प्रत्येक स्कूल को जोड़ें। इसके माध्यम से स्कूल के शौचालयों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित कराएं। महिला स्वसहायता समूहों के द्वारा उत्पादित वस्तुओं को मार्केट लिंकेज का लाभ लेकर विपणन कराएं।

कमिश्नर ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में मिलावटी और अवैध शराब की बिक्री न हो इसे सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक शराब तथा अन्य मादक पदार्थों की अवैध बिक्री के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करें। अन्य राज्यों से जुड़े क्षेत्रों पर नशीले पदार्थों की बिक्री पर विशेष निगरानी रखें। कोरेक्स तथा अन्य मादक पदार्थों को बेचने वालों के साथ-साथ इनकी सप्लाई करने वालों पर भी कार्रवाई करें। कमिश्नर ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि संभाग के सभी जिलों में स्वास्थ्य सूचकांक बेहतर करने की आवश्यकता है। लगातार निर्देशों के बावजूद गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और हाईरिस्क महिलाओं के उपचार प्रबंधन में अपेक्षा के अनुसार सुधार नहीं हो रहा है। गर्भवती महिलाओं का समय पर और शत-प्रतिशत पंजीयन कराएं। हाईरिस्क गर्भवती महिलाओं को निर्धारित प्रोटोकाल के अनुसार उपचार देकर पोर्टल पर जानकारी दर्ज करें। रीवा, सीधी और सिंगरौली जिले में इस संबंध में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें। कमिश्नर ने कहा कि स्कूलों में जेईई और नीट जैसी परीक्षाओं के लिए शुरू की गई कोचिंग व्यवस्था की नियमित समीक्षा करें। विद्यार्थियों को लगातार अच्छा कॅरियर मार्गदर्शन मिलने पर उनकी बोर्ड परीक्षा की तैयारी तथा प्रतियो ?गी परीक्षा की तैयारी एक साथ हो जाएगी। यहाँ विद्यार्थियों में अच्छी प्रतिभा है। माहौल बदलेगा तो विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और सफलता सुनिश्चित होगी। इन कक्षाओं में टेस्ट सीरीज का भी अभ्यास कराएं। प्रशासनिक अधिकारी भी समय निकालकर इनका मार्गदर्शन करें। कमिश्नर ने कहा कि स्वास्थ्य सूचकांकों से जुड़े आंकड़े मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास संयुक्त हस्ताक्षर से प्रस्तुत करें। संभाग से लेकर आंगनवाड़ी केन्द्र स्तर तक दोनों विभाग समन्वय से कार्य करें। गर्भवती महिलाओं का पंजीयन न होने तथा होम डिलेवरी के प्रकरणों पर एएनएम, आशा कार्यकर्ता और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई करें। बैठक में कमिश्नर ने विद्यार्थियों को निशुल्क साइकिल तथा किताब वितरण, क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, पोषण आहार वितरण तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना के संबंध में अधिकारियों को निर्देश दिए।

मच्छर से फैलने वाले रोग डेंगू, चिकनगुनिया और मलेरिया से बचें

रोग के लक्षण दिखने पर कराएं निःशुल्क जाँच

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिला मलेरिया अधिकारी ने आम जनों को मच्छर से फैलने वाले रोग मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया जैसी बीमारियों से बचने की सलाह दी है। जिला मलेरिया अधिकारी ने कहा कि मच्छरों से बचाव व नियंत्रण के लिए जनभागीदारी व जनजागृति का होना आवश्यक है। वर्षाकाल में जगह-जगह पानी इकट्ठा हो जाने से उनमें मच्छरों की उत्पत्ति व वृद्धि होती है। ये मच्छर रोगी व्यक्ति को काटने पर संक्रमित हो जाते हैं व इन संकमित मच्छर के काटने से मलेरिया, डेंगू, चिकुनगुनिया, रोग का प्रसार होता है। मलेरिया बुखार से ग्रसित रोगियों को ठंड लगकर बुखार आना, सिरदर्द, भूख न लगना सामान्य लक्षण है। डेंगू से अधिक तेज बुखार, शरीर पर लाल चकत्ते, माशपेशियों एवं जोड़ो में दर्द, आंखे घुमाने में दर्द सामान्य लक्षण हैं। गंभीर स्थिति मे मुहं, नाक और आंतो से खुन आना, पेट दर्द, उल्टी होना और आंखो में खून उतरना, प्लेटलेट्स में अत्यधिक गिरावट होना जैसे लक्षण होते हैं। चिकुनगुनिया बुखार में उंगलियों और हाथ-पैर के जोड़ों में तेज दर्द, सिर दर्द, हल्का बुखार बना रहना, त्वचा में चकत्ते होना सामान्य लक्षण है।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि डेंगू व चिकनगुनिया बुखार टाईगर अथवा एडीज मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर दिन में सक्रिय रहता है। बीमारी फैलाने वाले मच्छर घरों में नमी वाले अंधेरे स्थान में विश्राम करते हैं और साफ व रूके पानी में पनपते हैं। यह मच्छर हमारे घरों में व आसपास पानी से भरे बर्तनों, गमले, टंकी, टायर, मटके, कूलर, टूटा-फूटा कबाड़ में भरे पानी, नल, हैण्डपंप व कुएं के आसपास भरे पानी में अपने अण्डे देते हैं और 7 से 8 दिन में अंडे से मच्छर बनने का जीवनचक्र पूर्ण हो जाता है। इसलिए पानी से भरे बर्तन, टंकियों आदि का पानी सप्ताह में बदलते रहें। कुएं, हैण्डपंप, नल के आसपास पानी इकट्ठा न होने दें। उन्हें मिट्टी से भराव करायें या पानी की निकासी कराकर मच्छरों की उत्पत्ति स्थल को नष्ट करें। मच्छरों के लार्वा नहीं पनपने दें। मच्छरों से बचाव के लिए सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, पूरे आस्तीन के कपडे पहनें, मच्छर भगाने वाली क्रीम या क्वाइल का उपयोग करें, नीम की पत्ती का धुंआ करें।

शिकायतों का निराकरण नहीं करने वाले अधिकारियों को मिलेंगे नोटिस

लंबित शिकायतों को शत-प्रतिशत निराकृत करने के दिए निर्देश - कलेक्टर

कलेक्टर ने दिए जनकल्याणकारी एवं विकास कार्यों की गति लाने के लिए निर्देश

मऊगंज (कीर्तिप्रभा). कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा बैठक की अध्यक्षता में कलेक्टर संजय कुमार जैन ने जन विश्वास अभियान के तहत लंबित सीएम हेल्पलाईन, जनसुनवाई और लोक सेवा गारंटी के आवेदनों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी शिविर तक सभी लंबित शिकायतों का आवेदकों की संतुष्टि के साथ शत-प्रतिशत निराकरण करना सुनिश्चित करें। बैठक में विगत जन विश्वास कार्यक्रम के तहत प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई और ऐसी शिकायतें जो बिना किसी उचित कारण के अभी भी लंबित हैं, ऐसे संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अगला जन विश्वास शिविर शुक्रवार को नगर परिषद मऊगंज में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई तथा लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत प्राप्त सभी आवेदनों का समय-सीमा के भीतर निराकरण करने पर जोर दिया। जिले में खाद की उपलब्धता व रैक लगने की जानकारी लेते हुए सभी एसडीएम को खाद के सुचारू वितरण की व्यवस्था संभालने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने भूमि सर्वेक्षण प्रकरणों की शीघ्र रिपोर्ट भेजने, भू-अर्जन समीक्षा, तथा नामांतरण, सीमांकन व बंटवारा के मामलों का समयसीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। सभी जनपद सीईओ को समग्र ई-केवायसी का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कराने को कहा गया। कलेक्टर ने विभिन्न विभागों की लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने राजस्व विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, नगरीय विकास विभाग, जल संसाधन, कृषि, लोक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा, सहित अन्य विभागों में लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुये अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण करते हुए प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए। जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने संबंधित जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई कर शिकायतों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

3 दिन के आंदोलन के आगे झुकी सरकार, जूडा की हड़ताल समाप्त

इंटर्न डॉक्टरों का स्टाइपेंड 50 प्रतिशत बढ़ा

प्रदेश भर में तीन दिन से चल रहे इंटर्न डॉक्टरों के आंदोलन का बुधवार को पटाक्षेप हो गया। सरकार ने डॉक्टरों की स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग स्वीकार करते हुए इसमें 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है। अब इंटर्न डॉक्टरों को हर महीने 21 हजार 500 स्टाइपेंड मिलेगा। सरकार के फैसले के बाद डॉक्टरों ने आंदोलन समाप्त कर काम पर लौटने का ऐलान किया। स्वास्थ्य मंत्री एवं डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल ने इंटर्न डॉक्टरों, जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) और एमटीए प्रतिनिधियों से बातचीत के बाद स्टाइपेंड बढ़ाने की घोषणा की। सरकार ने डॉक्टरों की मांगों को गंभीरता से लेते हुए फैसला लिया।

आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारी डॉक्टरों पर हुए लाठीचार्ज और वाटर कैनन के इस्तेमाल का मामला भी सरकार के सामने पहुंचा। इस मामले में दो पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच किया गया है। साथ ही घटना की जांच के लिए टीम गठित की गई है और घायल छात्रों के इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। स्टाइपेंड की मांग को लेकर डॉक्टरों के आंदोलन का असर प्रदेश के सरकारी अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दिखाई दिया।

रीवा में अब भी सामान्य से कम बारिश 11 सितंबर से नया मौसमी तंत्र होगा एक्टिव

प्रदेश में फिलहाल तेज बारिश का दौर थम गया है। अगले तीन दिनों तक प्रदेश में भारी या अति भारी बारिश की संभावना नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार 9 से 11 सितंबर तक अधिकांश इलाकों में मौसम अपेक्षाकृत शांत रहेगा। इस दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। स्थानीय स्तर पर नमी और परिस्थितियां अनुकूल रहीं तो कुछ जिलों में तेज बौछारें भी पड़ सकती हैं। 11 सितंबर को पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में नया कम दबाव का क्षेत्र बनने के संकेत हैं। इसके असर से 12 सितंबर से मध्य प्रदेश में बारिश की गतिविधियां फिर बढ़ सकती हैं। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में बादल छंट गए और धूप खिली। भोपाल सहित कई जिलों में दिनभर धूप रही। वहीं श्योपुर, उज्जैन, इंदौर, धार, खरगोन और बड़वानी में कहीं-कहीं हल्की बारिश के साथ बादल छाए रहे।

पूर्वी हिस्से में बारिश की कमी हुई कम

पिछले सप्ताह पूर्वी मध्य प्रदेश में हुई अच्छी बारिश से वर्षा का आंकड़ा सुधरा है। जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में अब बारिश की कमी काफी कम रह गई है। बालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडोरी, दमोह,

जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, पांढुर्णा, मंडला, रीवा, सागर, सिवनी समेत कई जिलों में सामान्य से 4 से 24 प्रतिशत तक कम बारिश दर्ज की गई है।

23 जिलों में सामान्य से ज्यादा बारिश

प्रदेश के 23 जिलों में अब तक सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई है। इनमें अनूपपुर, छतरपुर, मैहर, मऊगंज, निवाड़ी, पन्ना, सतना, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़, उमरिया, आगर-मालवा, भिंड, भोपाल, बुरहानपुर, दतिया, गुना, ग्वालियर, खरगोन, राजगढ़, श्योपुर और शिवपुरी शामिल हैं।

जून की कमी अब तक पूरी नहीं हुई

जून में मध्य प्रदेश में सामान्य से 14 प्रतिशत कम बारिश हुई थी। इसके बाद जुलाई और अगस्त में अच्छी बारिश के कई दौर आए। आखिरी सप्ताह में भी मजबूत मौसमी तंत्र सक्रिय हुआ, जिससे वर्षा का आंकड़ा सुधरा। इसके बावजूद जून की कमी पूरी तरह खत्म नहीं हो सकी है। फिलहाल पूरे मानसून सत्र में प्रदेश में सामान्य से करीब 6 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई है। प्रदेश में सामान्य मानसूनी बारिश करीब 37.3 इंच मानी जाती है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में सामान्य बारिश करीब 38 से 39 इंच रहती है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।